| **Department : HINDI** | | |
|---|---|---|
| ***Academic Year : 2023-24*** | | |
| **Sr. No.** | **Programme Code** | **Name of the Programme** |
| 01. | | MA IV |



| Sr. No. | Name of the Student | Title of the Project / Internship | Page No. |
|---|---|---|---|
| 1. | प्राची सिंह | 546 वीं सीट की स्त्री में जेंडर और स्त्री प्रतिरोध के प्रश्न | 3-6 |
| 2. | पायल नंदे | डॉ. शरद सिंह की कहानियाँ : संवेदनात्मक अनुभूतियों के विभिन्न पक्ष | 7-11 |
| 3. | ओमप्रकाश पटेल | कामायनी की दार्शनिक चेतना का विविध स्वरूप | 12-15 |
| 4. | नंदकिशोर पटेल | एक दुनिया समानांतर | 16-20 |
| 5. | प्रीति | फणीश्वरनाथ रेणु की कहानियों में लालित्य | 21-24 |
| 6. | प्रेरणा श्रीवास | अवसरवादी गिद्धों की नालंदा पर आधिपत्य के प्रभाव का अध्ययन | 25-28 |
| 7. | प्रियांशु तिवारी | समकालीन कविता में श्रीकांत वर्मा का योगदान | 29-33 |
| 8. | ऋषभ गुप्ता | हिंदी कथा साहित्य : (कहानी और उपन्यास) के केन्द्रीय बाल चित्रण | 34-37 |
| 9. | रोशनी जायसवाल | प्रेमचंद के कहानियों में सामाजिक रूप | 38-42 |
| 10. | संदीप चेलसे | समकालीन हिंदी नवगीत परंपरा में छत्तीसगढ़ के रचनाकारों का योगदान | 43-45 |
| 11. | संदीप कुजूर | 'फिर उगना' में आदिवासी जीवन-दर्शन का चित्रण | 46-49 |
| 12. | सत्यम गुप्ता | प्रेमचंद की कहानियों में सामंतवादी चित्रण | 50-53 |
| 13. | सावनी दास | उषा प्रियंवदा के कहानियों में मानव मूल्य | 54-57 |
| 14. | सीमा पोर्ते | हिडिंब उपन्यास और पहाड़ी जनजीवन की समस्याएं | 58-61 |
| 15. | स्वरूप दास | विवेकी राय के कथा साहित्य में ग्रामीण जीवन का स्वरूप एवं संघर्ष | 62-65 |
| 16. | उष्मिता तिर्की | निर्मला पुतुल जी की कविता में आदिवासी स्त्री संवेदना | 66-69 |
| 17. | युवराज नायक | काशीनाथ सिंह और काशी का अस्सी | 70-73 |

| | | | |
|---|---|---|---|
| 18. | अरुणा पधान | अन्या से अनन्या में व्यक्त स्त्री चेतना | 74-77 |
| 19. | अविनाश कुमार | धूमिल की कविताओं में राजनीतिक चेतना का स्वरूप | 78-81 |
| 20. | बसंती पटेल | 'मोर्चे पर विदागीत' में सामाजिक-सांस्कृतिक प्रतिरोध | 82-85 |
| 21. | प्रणिता तिवारी | जगह की जगह संग्रह में संकलित कहानियों की समीक्षा | 86-89 |
| 22. | केदारनाथ बाघ | अक्करमाशी के आईने में दलित विमर्श का अध्ययन | 90-92 |


अध्यक्ष / HOD
हिन्दी विभाग / Department of Hind
गुरू घासीदास विश्वविद्यालय / G.G.V
बिलासपुर (छ.ग.) / Bilaspur (C.G.)

Signature and Seal of the Head

# 546वीं सीट की स्त्री में जेंडर और स्त्री प्रतिरोध के प्रश्न

स्नातकोत्तर हिन्दी (चतुर्थ सेमेस्टर) के चतुर्थ प्रश्न-पत्र की प्रतिपूर्ति हेतु प्रस्तुत

## लघु शोध-प्रबंध

सत्र : 2023-24

मार्गदर्शक
**डॉ. अनीश कुमार**
सहायक प्राध्यापक, हिन्दी विभाग
गु.घा.वि.वि, बिलासपुर

विभागाध्यक्ष
**डॉ. गौरी त्रिपाठी**
सह–प्राध्यापक, हिन्दी विभाग
गु.घा.वि.वि, बिलासपुर

प्रस्तुतकर्ता
**प्राची सिंह**
स्नातकोत्तर हिन्दी चतुर्थ सेमेस्टर
ना. सं. GGV/19/0224

**हिन्दी विभाग**
**कला अध्ययनशाला**
**गुरु घासीदास विश्वविद्यालय**
(केन्द्रीय विश्वविद्यालय अधिनियम, 2009 कंडिका 25 के अंतर्गत स्थापित केन्द्रीय विश्वविद्यालय)
कोनी, बिलासपुर, छत्तीसगढ़

# घोषणा पत्र

मैं, **प्राची सिंह** यह घोषणा करती हूं कि **"546वीं सीट की स्त्री: जेंडर और स्त्री प्रतिरोध के प्रश्न"** विषय पर प्रस्तुत यह लघु-शोध-प्रबंध मेरे द्वारा संग्रहित तथ्यों पर आधारित है तथा यह मेरा मौलिक कार्य है। इसे अंशतः या पूर्णतः इस विश्वविद्यालय या किसी अन्य विश्वविद्यालय/संस्थान में किसी उपाधि हेतु प्रस्तुत नहीं किया गया है। यह शोध- कार्य मैंने डॉ. अनीश कुमार, सहायक प्रध्यापक, हिन्दी विभाग, गुरु घासीदास विश्वविद्यालय, बिलासपुर (छ.ग.) के मार्गदर्शन में पूरा किया है। मैं घोषणा करती हूँ कि प्रस्तुत लघु-शोध-प्रबंध को पूरा करने में मैंने विश्वविद्यालय के शोध-संबंधी सभी नियमों का पालन किया है।

स्थान: हिन्दी विभाग, बिलासपुर

दिनांक: 28/08/2024

प्राची सिंह
प्रस्तुतकर्ता

**प्राची सिंह**

एम. ए. उतरार्द्ध, हिन्दी विभाग

गु. घा. वि. वि. बिलासपुर

नामांकन संख्या – GGV/19/0224

# प्रमाण पत्र

यह प्रमाणित किया जाता है कि **प्राची** ने मेरे मार्गदर्शन में **"546वीं सीट की स्त्री : जेंडर और स्त्री प्रतिरोध के प्रश्न"** विषय पर अपना लघु-शोध-प्रबंध पूरा किया है। वह लघु-शोध विद्यार्थी द्वारा प्रस्तुत घोषणा-पत्र के अनुसार उसके द्वारा संग्रहित तथ्यों पर आधारित तथा उनका मौलिक कार्य है। जिसमें विश्वविद्यालय के शोध-संबंधी सभी नियमों का पालन किया गया है।

मैं इसे मूल्यांकन हेतु प्रेषित किये जाने की संस्तुति करता हूँ।

स्थान : हिन्दी विभाग, बिलासपुर

दिनांक : 20/08/2024

मार्गदर्शक

**डॉ. अनीश कुमार**

सहायक प्रध्यापक, हिन्दी विभाग

गु. घा. वि. वि. बिलासपुर

# विषयानुक्रमणिका

| | पृष्ठ संख्या |
|---|---|
| घोषणा पत्र | i |
| प्रमाण पत्र | ii |
| आभार | iii |
| भूमिका | iv-vi |
| 1 प्रथम अध्याय : संजीव चंदन : व्यक्तित्व एवं कृतित्व | 1 – 11 |
| 1.1 व्यक्तित्व, कृतित्व और रचनाधर्मिता | |
| 1.2 546 वीं सीट की स्त्री : सामान्य परिचय | |
| 2 द्वितीय अध्याय : 546वीं सीट की स्त्री : जेंडर और स्त्री प्रतिरोध के प्रश्न | 12 – 26 |
| 2.1 जेंडर और पितृसत्ता : संक्षिप्त विश्लेषण | |
| 2.2 स्त्री प्रतिरोध के विविध पक्ष | |
| 2.3 स्त्रियों का समाज और समाज में स्त्री | |
| 3 तृतीय अध्याय : 546वीं सीट की स्त्री : अन्य संदर्भों में | 27 – 42 |
| 3.1 राजनीतिक पक्ष | |
| 3.2 दलित पक्ष | |
| 3.3 आर्थिक, सामाजिक – सांस्कृतिक पक्ष | |
| 3.4 आदिवासी विमर्श | |
| 4 चतुर्थ अध्याय : 546वीं सीट की स्त्री : भाषा - शैली और शिल्प - योजना | 43 – 44 |
| 4.1 भाषा – शैली | |
| 4.2 शिल्प – योजना | |
| उपसंहार | 45 – 46 |
| संदर्भ सूची | 47 – 48 |

गुरु घासीदास विश्वविद्यालय
(केन्द्रीय विश्वविद्यालय अधिनियम 2009 क्र. 25 के अंतर्गत स्थापित केन्द्रीय विश्वविद्यालय)
कोनी, बिलासपुर – 495009 (छ.ग.)

Guru Ghasidas Vishwavidyalaya
(A Central University Established by the Central Universities Act 2009 No. 25 of 2009)
Koni, Bilaspur – 495009 (C.G.)

# डॉ. शरद सिंह की कहानियाँ: संवेदनात्मक अनुभूतियों के विभिन्न पक्ष

एम. ए. हिन्दी (चतुर्थ सेमेस्टर) के चतुर्थ प्रश्न – पत्र की प्रतिपूर्ति हेतु प्रस्तुत

लघु शोध–प्रबंध

**सत्र : 2023-24**

मार्गदर्शक
**डॉ. रमेश कुमार गोहे**
सहायक प्राध्यापक
हिन्दी विभाग, गु.घा.वि.वि.,बिलासपुर

विभागाध्यक्ष
**डॉ. गौरी त्रिपाठी**
सह-प्राध्यापक
हिन्दी विभाग, गु.घा.वि.वि.,बिलासपुर

प्रस्तुतकर्ता
**पायल नंदे**
एम.ए. हिन्दी (चतुर्थ सेमेस्टर)
ना. क्र.- GGV/19/0222
अनुक्रमांक- 22005110
हिन्दी विभाग, गु.घा.वि.वि.,बिलासपुर

**हिन्दी विभाग**
**कला अध्ययनशाला**
**गुरु घासीदास विश्वविद्यालय बिलासपुर (छ.ग.)**
(केन्द्रीय विश्वविद्यालय अधिनियम, 2009, क्रमांक 25 के अंतर्गत स्थापित केन्द्रीय विश्वविद्यालय )
(NAAC GRADE : A ++)

गुरु घासीदास विश्वविद्यालय
(केन्द्रीय विश्वविद्यालय अधिनियम 2009 क्र. 25 के अंतर्गत स्थापित केन्द्रीय विश्वविद्यालय)
कोनी, बिलासपुर - 495009 (छ.ग.)

Guru Ghasidas Vishwavidyalaya
(A Central University Established by the Central Universities Act 2009 No. 25 of 2009)
Koni, Bilaspur – 495009 (C.G.)

## घोषणा पत्र

मैं, पायल नन्दे यह घोषणा करती हूं कि **'डॉ. शरद सिंह की कहानियां: संवेदनात्मक अनुभूतियों के विभिन्न पक्ष'** विषय पर प्रस्तुत यह लघु – शोध प्रबंध मेरे द्वारा संग्रहित तथ्यों पर आधारित है तथा यह मेरा मौलिक कार्य है। इसे अंशत: या पूर्णतः इस विश्वविद्यालय या किसी अन्य संस्थान में किसी उपाधि हेतु प्रस्तुत नहीं किया गया है। यह शोध कार्य मैंने डॉ. रमेश कुमार, सहायक प्रध्यापक, हिंदी विभाग, गुरु घासीदास विश्वविद्यालय, बिलासपुर (छ. ग.) के मार्गदर्शन में पूरा किया है। मैं घोषणा करती हूं कि प्रस्तुत लघु – शोध प्रबंध को पूरा करने में मैंने विश्वविद्यालय के शोध सम्बन्धी सभी नियमों का पालन किया है।

**स्थान**: बिलासपुर
**दिनांक**: 30/08/2024

Payal

**प्रस्तुतकर्ता**
पायल नन्दे
एम.ए. चतुर्थ सेमेस्टर
ना. क्र. GGV/19/0222
अनुक्रमांक 22005110

गुरु घासीदास विश्वविद्यालय
(केन्द्रीय विश्वविद्यालय अधिनियम 2009 क्र. 25 के अंतर्गत स्थापित केन्द्रीय विश्वविद्यालय)
कोनी, बिलासपुर - 495009 (छ.ग.)

Guru Ghasidas Vishwavidyalaya
(A Central University Established by the Central Universities Act 2009 No. 25 of 2009)
Koni, Bilaspur – 495009 (C.G.)

## प्रमाण – पत्र

यह प्रमाणित किया जाता है कि **पायल नंदे** ने मेरे मार्गदर्शन में **'डॉ. शरद सिंह की कहानियां : संवेदनात्मक अनुभूतियों के विभिन्न पक्ष'** विषय पर अपना लघु – शोध प्रबंध पूरा किया है। यह लघु शोध प्रबंध विद्यार्थी द्वारा प्रस्तुत घोषणा पत्र के अनुसार उसके द्वारा संग्रहित तथ्यों पर आधारित उनका मौलिक कार्य है। जिसमें विश्वविद्यालय के शोध संबंधी सभी नियमों का पालन किया गया है।

मैं इसे मूल्यांकन हेतु प्रेषित किए जाने की संस्तुति करता हूँ।

**स्थान :** बिलासपुर

**दिनांक :** 30/08/2024

मार्गदर्शक

**डॉ. रमेश कुमार गोहे**

सहायक प्राध्यापक

हिन्दी विभाग, गु.घा.वि.वि. बिलासपुर

## अनुक्रमणिका


| | |
|---|---|
| घोषणा - पत्र | i |
| प्रमाण - पत्र | ii |
| आभार | iii |
| भूमिका | iv |
| **प्रथम अध्याय: डॉ. शरद सिंह का संक्षिप्त जीवन परिचय** | |
| 1.1 प्रारंभिक जीवन संघर्ष (जन्म एवं शिक्षा) | 1-3 |
| 1.2 साहित्यिक जीवन की शुरुआत | 3-5 |
| 1.3 रचना एवं सम्मान | 5-8 |
| **द्वितीय अध्याय: कहानियां एवं विषय वस्तु** | |
| **समकालीन कहानी से तात्पर्य** | 9-13 |
| **1. जलते हुए शहर में** | 13-14 |
| **2. वह बुर्केवाली !** | 14-15 |
| **3. छिपी हुई औरत** | 16 |
| **4. जलती बस्ती के आदम - हव्वा** | 16-18 |
| **5. बंद खिड़की के पीछे खड़ी लड़की** | 18 |
| **6. वह और मैं** | 18-19 |
| **7. तू जीवे बरस हज़ार** | 19-20 |
| **तृतीय अध्याय : कहानियों में व्यक्त संवेदनात्मक पक्ष** | |
| 3.1 स्त्री विमर्श | 21-25 |

| | |
|---|---|
| 3.2 दलित विमर्श | 25-26 |
| 3.3 मजदूर विमर्श | 26-27 |
| 3.4 शहरी जनजीवन | 27-29 |
| 3.5 मनोविश्लेषण | 29 |
| **चतुर्थ अध्याय : भाषा एवं शैली** | |
| 4.1 शिल्प विधान | 30-31 |
| 4.2 संवाद - योजना | 31-32 |
| **पंचम अध्याय : उपसंहार** | 33-34 |
| संदर्भ – सूची | 35-37 |

गुरु घासीदास विश्वविद्यालय
(केन्द्रीय विश्वविद्यालय अधिनियम 2009 क्र. 25 के अंतर्गत स्थापित केन्द्रीय विश्वविद्यालय)
कोनी, बिलासपुर - 495009 (छ.ग.)

Guru Ghasidas Vishwavidyalaya
(A Central University Established by the Central Universities Act 2009 No. 25 of 2009)
Koni, Bilaspur – 495009 (C.G.)

# कामायनी में दार्शनिक चेतना के विविध स्वरूप

स्नातकोत्तर हिन्दी (चतुर्थ सेमेस्टर) के चतुर्थ प्रश्न-पत्र की प्रतिपूर्ति हेतु प्रस्तुत

## लघु शोध-प्रबंध

सत्र : 2023-24

मार्गदर्शक
डॉ. अतुल कुमार
सहायक प्राध्यापक, हिन्दी विभाग
गु. घा. वि. वि. बिलासपुर

विभागाध्यक्ष
डॉ. गौरी त्रिपाठी
सह - प्राध्यापक, हिन्दी विभाग
गु. घा. वि. वि. बिलासपुर

प्रस्तुतकर्ता
ओम प्रकाश पटेल
स्नातकोत्तर हिंदी चतुर्थ सेमेस्टर
ना. क्र.- GGV/19/5091

हिन्दी विभाग
कला अध्ययनशाला
गुरु घासीदास विश्वविद्यालय
(केन्द्रीय विश्वविद्यालय अधिनियम, 2009 कंडिका 25 के अंतर्गत स्थापित केन्द्रीय विश्वविद्यालय)
कोनी, बिलासपुर (छ.ग.)

# घोषणा पत्र

मैं, **ओम प्रकाश पटेल** यह घोषणा करता हूं कि **"कामायनी के दार्शनिक चेतना के विविध स्वरूप "** विषय पर प्रस्तुत यह लघु-शोध-प्रबंध मेरे द्वारा संग्रहित तथ्यों पर आधारित है तथा यह मेरा मौलिक कार्य है। इसे अंशतः या पूर्णतः इस विश्वविद्यालय या किसी अन्य विश्वविद्यालय/संस्थान में किसी उपाधि हेतु प्रस्तुत नहीं किया गया है। यह शोध - कार्य डॉ. **अतुल कुमार**, सहायक प्राध्यापक, हिन्दी विभाग, गुरु घासीदास विश्वविद्यालय, बिलासपुर (छ.ग.) के मार्गदर्शन में पूरा किया है। मैं घोषणा करता हूँ कि प्रस्तुत लघु-शोध-प्रबंध को पूरा करने में मैंने विश्वविद्यालय के शोध-संबंधी सभी नियमों का पालन किया है।

स्थानः हिन्दी विभाग, बिलासपुर

दिनांक: 30/08/2024

OPatel

प्रस्तुतकर्ता

ओम प्रकाश पटेल

एम. ए. उतरार्द्ध, हिन्दी विभाग

गु. घा. वि. वि. बिलासपुर

नामांकन संख्या GGV/19/5091

# प्रमाण पत्र

यह प्रमाणित किया जाता है कि ओमप्रकाश पटेल ने मेरे मार्गदर्शन में "कामायनी के दार्शनिक चेतना के विविध स्वरूप " विषय पर अपना लघु- शोध-प्रबंध पूरा किया है। वह लघु-शोध विद्यार्थी द्वारा प्रस्तुत घोषणा-पत्र के अनुसार उसके द्वारा संग्रहित तथ्यों पर आधारित तथा उनका मौलिक कार्य है। जिसमें विश्वविद्यालय के शोध-संबंधी सभी नियमों का पालन किया गया है।

मैं इसे मूल्यांकन हेतु प्रेषित किये जाने की संस्तुति करता हूँ।

स्थान : हिन्दी विभाग, बिलासपुर

दिनांक : 30.08.24

मार्गदर्शक

डॉ. अतुल कुमार

सहायक प्रध्यापक, हिन्दी विभाग

गु. घा. वि. वि. बिलासपुर

# अनुक्रमणिका

पृष्ठ संख्या

घोषणा पत्र i

प्रमाण पत्र ii

आभार iii

भूमिका iv-v

**अध्याय 1:जयशंकर प्रसाद का जीवन परिचय और कृतित्व 1-15**

1.1 जीवन परिचय

1.2 सामान्य साहित्यिक परिचय

1.3 कृतित्व

**अध्याय 2: दर्शन का स्वरूप 16-33**

2.1 पाश्चात्य दर्शन की विकास यात्रा

2.2 भारतीय दर्शन की विकास यात्रा

**अध्याय 3: कामायनी में दार्शनिक चेतना के विविध स्वरूप 34-48**

3.1 प्रत्यभिज्ञादर्शन का प्रभाव

3.2 अन्य दर्शन का प्रभाव

**उपसंहार 49-52**

**संदर्भ सूची 53**

गुरु घासीदास विश्वविद्यालय
(केन्द्रीय विश्वविद्यालय अधिनियम 2009 क्र. 25 के अंतर्गत स्थापित केन्द्रीय विश्वविद्यालय)
कोनी, बिलासपुर - 495009 (छ.ग.)

Guru Ghasidas Vishwavidyalaya
(A Central University Established by the Central Universities Act 2009 No. 25 of 2009)
Koni, Bilaspur – 495009 (C.G.)

# एक दुनियाः समानांतर

स्नातकोत्तर हिन्दी (चतुर्थ सेमेस्टर) के चतुर्थ प्रश्न-पत्र की प्रतिपूर्ति हेतु प्रस्तुत

## लघु शोध-प्रबंध

सत्र : 2023-24

मार्गदर्शक
डॉ. राजेश मिश्र
सहायक प्राध्यापक, हिन्दी विभाग
गु. घा. वि. वि. बिलासपुर

विभागाध्यक्ष
डॉ. गौरी त्रिपाठी
सह-प्राध्यापक, हिन्दी विभाग
गु. घा. वि. वि. बिलासपुर

प्रस्तुतकर्ता
नंदकिशोर पटेल
स्नातकोत्तर हिंदी चतुर्थ सेमेस्टर
ना. क्र.- GGV/22/00302

हिन्दी विभाग
कला अध्ययनशाला
गुरु घासीदास विश्वविद्यालय
(केन्द्रीय विश्वविद्यालय अधिनियम, 2009 कंडिका 25 के अंतर्गत स्थापित केन्द्रीय विश्वविद्यालय)
कोनी, बिलासपुर (छ.ग.)

# घोषणा पत्र

मैं, **नंदकिशोर पटेल** यह घोषणा करता हूं कि **"एक दुनिया : समानांतर"** विषय पर प्रस्तुत यह लघु-शोध-प्रबंध मेरे द्वारा संग्रहित तथ्यों पर आधारित है तथा यह मेरा मौलिक कार्य है। इसे अंशतः या पूर्णतः इस विश्वविद्यालय या किसी अन्य विश्वविद्यालय/संस्थान में किसी उपाधि हेतु प्रस्तुत नहीं किया गया है। यह शोध- कार्य मैंने **डॉ. राजेश मिश्र**, सहायक प्रध्यापक, हिन्दी विभाग, गुरु घासीदास विश्वविद्यालय, बिलासपुर (छ.ग.) के मार्गदर्शन में पूरा किया है। मैं घोषणा करता हूँ कि प्रस्तुत लघु-शोध-प्रबंध को पूरा करने में मैंने विश्वविद्यालय के शोध-संबंधी सभी नियमों का पालन किया है।

स्थान: हिन्दी विभाग, बिलासपुर

दिनांक: 30/08/2024

Npatel
प्रस्तुतकर्ता

**नंदकिशोर पटेल**

एम. ए. उतरार्द्ध, हिन्दी विभाग

गु. घा. वि. वि. बिलासपुर

नामांकन संख्या – GGV/22/00302

# प्रमाण पत्र

यह प्रमाणित किया जाता है कि **नंदकिशोर पटेल** ने मेरे मार्गदर्शन में **"एक दुनिया : समानांतर"** विषय पर अपना लघु-शोध-प्रबंध पूरा किया है। वह लघु-शोध विद्यार्थी द्वारा प्रस्तुत घोषणा-पत्र के अनुसार उसके द्वारा संग्रहित तथ्यों पर आधारित तथा उनका मौलिक कार्य है। जिसमें विश्वविद्यालय के शोध-संबंधी सभी नियमों का पालन किया गया है।

मैं इसे मूल्यांकन हेतु प्रेषित किये जाने की संस्तुति करता हूँ।

स्थान : हिन्दी विभाग, बिलासपुर

दिनांक : 30/07/2024

मार्गदर्शक

डॉ. राजेश मिश्र

सहायक प्रध्यापक, हिन्दी विभाग

गु. घा. वि. वि. बिलासपुर

# विषयानुक्रमणिका

| | पृष्ठ संख्या |
|---|---|
| घोषणा पत्र | i |
| प्रमाण पत्र | ii |
| आभार | iii |
| भूमिका | iv-vi |
| अध्याय एक | |
| एक दुनिया सामानांतर : सामान्य परिचय | 1 – 19 |
| 1.1 : समकालीन कथा लेख | |
| 1.2 : संपादक राजेन्द्र यादव : साहित्यिक परिचय | |
| 1.3 : संकलित कथाकारों का साहित्यिक परिचय | |
| अध्याय दो : प्रमुख कहानियाँ एवं विषयवस्तु | 20 - 26 |
| 2.1 : खोई हुई दिशाएं ( कमलेश्वर ) | |
| 2.2 : एक और जिंदगी ( मोहन राकेश ) | |
| 2.3 : यही सच है ( मन्नू भंडारी ) | |
| 2.4 : मछलियाँ ( उषा प्रियंवदा ) | |
| 2.5 : टूटना ( राजेंद्र यादव ) | |
| अध्याय तीन : एक दुनिया सामानांतर : संवेदना पक्ष | 27 - 34 |
| 3.1 : पीढियों का अन्तराल | |
| 3.2 : दलित विमर्श | |

3.3 : प्रेम संबंधो की स्थितियाँ

अध्याय चार : एक दुनिया सामानांतर : शिल्प पक्ष 35 - 39

4.1 : चरित्र योजना

4.2 : भाषायी प्रयोग

4.3 : शिल्प की बुनावट

उपसंहार 40 – 41

संदर्भ सूची 42

गुरु घासीदास विश्वविद्यालय
(केन्द्रीय विश्वविद्यालय अधिनियम 2009 क्र. 25 के अंतर्गत स्थापित केन्द्रीय विश्वविद्यालय)
कोनी, बिलासपुर – 495009 (छ.ग.)

Guru Ghasidas Vishwavidyalaya
(A Central University Established by the Central Universities Act 2009 No. 25 of 2009)
Koni, Bilaspur – 495009 (C.G.)

# फणीश्वर नाथ रेणु की कहानियों में लालित्य

एम. ए. हिन्दी (चतुर्थ सेमेस्टर) के चतुर्थ प्रश्न पत्र की प्रतिपूर्ति हेतु प्रस्तुत

**लघु शोध-प्रबंध**

सत्र : 2023–24

| मार्गदर्शक | विभागाध्यक्ष | प्रस्तुतकर्ता |
|---|---|---|
| डॉ. मुरली मनोहर सिंह | डॉ. गौरी त्रिपाठी | प्रीति भास्कर |
| सहायक प्राध्यापक, हिन्दी विभाग | सह–प्राध्यापक, हिन्दी विभाग | एम. ए. उत्तरार्द्ध हिन्दी विभाग |
| गु.घा.वि.वि. बिलासपुर | गु.घा.वि.वि. बिलासपुर | ना.सं. – GGV/19/0227 |

**हिन्दी विभाग**

कला विद्यापीठ

**गुरु घासीदास विश्वविद्यालय**

(केन्द्रीय विश्वविद्यालय अधिनियम, 2009 कंडिका 25 के अंतर्गत स्थापित केन्द्रीय विश्वविद्यालय)

बिलासपुर, छत्तीसगढ़, भारत

गुरु घासीदास विश्वविद्यालय
(केन्द्रीय विश्वविद्यालय अधिनियम 2009 क्र. 25 के अंतर्गत स्थापित केन्द्रीय विश्वविद्यालय)
कोनी, बिलासपुर - 495009 (छ.ग.)

Guru Ghasidas Vishwavidyalaya
(A Central University Established by the Central Universities Act 2009 No. 25 of 2009)
Koni, Bilaspur – 495009 (C.G.)

# प्रमाण-पत्र

यह प्रमाणित किया जाता है कि प्रीति भास्कर ने मेरे मार्गदर्शन में 'फणीश्वर नाथ रेणु की कहानियों में लालित्य ' विषय पर अपना लघु शोध-प्रबंध पूरा किया गया है । यह लघु शोध विद्यार्थी द्वारा प्रस्तुत घोषणा-पत्र के अनुसार उसके द्वारा संग्रहित तथ्यों पर आधारित तथा उनका मौलिक कार्य है, जिसमें विश्वविद्यालय के शोध-संबधी सभी नियमों का पालन किया गया है ।

मैं इसे मूल्यांकन हेतु प्रेषित किए जाने की संस्तुति करता हूं ।

स्थान : हिन्दी विभाग, गुरु घासीदास विश्वविद्यालय, बिलासपुर

दिनांक : 30/8/2024

मार्गदर्शक

डॉ.मुरली मनोहर सिंह

सहायक प्राध्यापक, हिंदी विभाग

गुरु घासीदास विश्वविद्यालय, बिलासपुर (छ. ग)

गुरु घासीदास विश्वविद्यालय
(केन्द्रीय विश्वविद्यालय अधिनियम 2009 क्र. 25 के अंतर्गत स्थापित केन्द्रीय विश्वविद्यालय)
कोनी, बिलासपुर – 495009 (छ.ग.)

Guru Ghasidas Vishwavidyalaya
(A Central University Established by the Central Universities Act 2009 No. 25 of 2009)
Koni, Bilaspur – 495009 (C.G.)

# घोषणा-पत्र

मैं, प्रीति भास्कर यह घोषणा करती हूँ कि ' फणीश्वर नाथ रेणु की कहानियों में लालित्य ' विषय पर प्रस्तुत यह लघु शोध-प्रबंध द्वारा संग्रहित तथ्यों पर आधारित है तथा यह मेरा मौलिक कार्य है । इसे अंशत: या पूर्णत: इस विश्वविद्यालय या किसी उपाधि हेतु प्रस्तुत नहीं किया गया है । यह शोध-कार्य मैंने डॉ. मुरली मनोहर सिह, सहायक प्राध्यापक, हिंदी विभाग, गुरु घासीदास विश्वविद्यालय, बिलासपुर, छत्तीसगढ़ के मार्गदर्शन में पूरा किया है ।

मैं घोषणा करती हूं कि प्रस्तुत लघु शोध-प्रबंध को पूरा करने में मैंने विश्वविद्यालय के शोध संबधी सभी नियमों का पालन किया है ।

स्थान : हिन्दी विभाग, गुरु घासीदास विश्वविद्यालय, बिलासपुर

दिनाँक : 30/8/2024

प्रस्तुतकर्ता प्रीति

प्रीति भास्कर

स्नातकोत्तर (हिंदी) चतुर्थ सेमेस्टर, हिंदी विभाग

गुरु घासीदास विश्वविद्यालय, बिलासपुर (छ. ग.)

नामांकन संख्या - GGV/19/0227 रोल नंबर - 2200513

# प्रस्तावना

भारत विविध खान- पान, वेशभूषा, जीवन शैली को स्वयं में संजोए हुए है। यह एक बहुआयामी संस्कृति वाला राष्ट्र है। यदि इतिहास में झांक कर देखें तो पता चलता है कि भारत की संस्कृति को अनेक आक्रमणकारियों तथा उपनिवेशवादियों से चुनौती का सामना करना पड़ा है। अलग अलग समय में अलग अलग उद्देशों से विभिन्न देशों के लोग यहां पर आए। इन देशों के लोगों के साथ स्वाभाविक रीति से उनकी संस्कृति और जीवन शैली भी आई। जब इन विभिन्न संस्कृति का आपस में मेल हुआ तो अनेक उप- संस्कृति भी अस्तित्व में आईं। जिसने भारत की समृद्ध विरासत को गढ़ने में, बुनने में सहयोग किया है। कथा संस्कृति भी एक प्राचीन संस्कृति है। कहानी के बिना बड़ी से बड़ी मानव सभ्यता तथा संस्कृति के विकास को नहीं जाना जा सकता। सभ्यताओं के अस्तित्व तथा संस्कृति के विकास, उसकी संरचना की पहचान का एक महत्वपूर्ण स्रोत कहानियां ही हैं। संसार के आदि ग्रंथों की सारी संरचना कहानियों पर ही आधारित है। वैदिक संहिताएं( ऋग्वेद, यजुर्वेद, सामवेद, अथर्ववेद) विश्व साहित्य के प्राचीनतम ग्रंथ हैं। इनके दौर में भी कथाओं, किंवदंतियों, मिथक प्रसंगों और आख्यानों की कमी नहीं है। प्रत्येक वैदिक देवता कहानी से ही जन्मता है। वह किसी न किसी कहानी की ही देन है। सभी सभ्यताओं का यह सत्य है। वह चाहे अमेरिकी आदिवासियों की अजटेक माया सभ्यता रही हो या चीन की, मिस्त्र की, सुमेरी या अक्कादी। असंख्य कहानियों के खजाने के रूप में हम भारतीय सभ्यता को देख सकते हैं। वेद, पुराण, उपनिषद, महाभारत कहानियों से भरे हुए हैं जिनमें लौकिक और अलौकिक जीवन के तथ्यों और सत्यों को रुपायित किया गया है। आध्यात्म तथा दर्शन में भी कथा दृष्टंतों की महत्वपूर्ण उपस्थिति बनी ही रहती है।

प्राचीन भारतीय कथा साहित्य, पाश्चात्य कथा साहित्य तथा लोक कथा साहित्य आदि से कुछ कुछ तत्व लेकर हिंदी कहानी अपना स्वरूप ग्रहण करती है। वैसे तो कथा कहने तथा सुनने की परंपरा अत्यंत प्राचीन है। हिंदी के कहानी साहित्य ने मौखिक कथाओं से लेकर नई कहानी और अकहानी तक का सफर तय किया है और अब भी नई कहानी, अकहानी, सचेतन कहानी, समकालीन कहानी आदि सोपानों को पर करते हुए नई मंजिलों को प्राप्त करने के लिए निरंतर अपने पथ पर बढ़ती जा रही है।

हिन्दी कहानी मुख्य रूप से बीसवीं शताब्दी के प्रारम्भ के साथ शुरू हुई। यद्यपि 19वीं शताब्दी के उत्तरार्द्ध में भी अनेक ऐसी रचनाएँ लिखी गईं, जिनमें कहानी का तत्व मिलता है, पर तात्विक आधार पर सही रूप में हम उन्हें कहानी नहीं कह सकते। *रानी केतकी की कहानी,राजा भोज का सपना, देवरानी जेठानी की कहानी* आदि ऐसी ही कहानियाँ हैं। आचार्य रामचन्द्र शुक्ल ने हिन्दी साहित्य के इतिहास में प्रकाशन वर्ष के अनुसार हिन्दी की प्रारम्भिक मौलिक कहानी की सूची दी है। उन्होंने लिखा है, "कहानियों का आरम्भ कहाँ से मानना चाहिए, यह देखने के लिए *सरस्वती* में प्रकाशित कुछ मौलिक कहानियों के नाम वर्ष क्रम से नीचे दिए जाते हैं- *इन्दुमती*, किशोरीलाल गोस्वामी सं.1957 (1900ई.), *गुलबहार*, किशोरीलाल गोस्वामी सं. 1959 (1902ई.), *प्लेग की चुड़ैल*, मास्टर भगवानदास मिरजापुर, सं.1959 (1902 ई.), *ग्यारह*

गुरु घासीदास विश्वविद्यालय
(केन्द्रीय विश्वविद्यालय अधिनियम 2009 क्र. 25 के अंतर्गत स्थापित केन्द्रीय विश्वविद्यालय)
कोनी, बिलासपुर - 495009 (छ.ग.)

Guru Ghasidas Vishwavidyalaya
(A Central University Established by the Central Universities Act 2009 No. 25 of 2009)
Koni, Bilaspur – 495009 (C.G.)

# अवसरवादी गिद्धों की नालंदा पर आधिपत्य के प्रभाव का अध्ययन

स्नातकोत्तर हिंदी (चतुर्थ सेमेस्टर) के चतुर्थ प्रश्न-पत्र की प्रतिपूर्ति हेतु प्रस्तुत

**लघु शोध-प्रबंध**

**सत्र : 2023-24**

मार्गदर्शक
**डॉ. अखिलेश गुप्ता**
सहायक प्राध्यापक, हिंदी विभाग
गु.घा.वि.वि., बिलासपुर

विभागाध्यक्ष
**डॉ. गौरी त्रिपाठी**
सह-प्राध्यापक, हिंदी विभाग
गु.घा.वि.वि., बिलासपुर

प्रस्तुतकर्ता
**प्रेरणा श्रीवास**
एम. ए. उत्तरार्द्ध, हिंदी विभाग
ना. सं.- GGV/19/0230

**हिंदी विभाग**
**कला विद्यापीठ**
**गुरु घासीदास विश्वविद्यालय**
(केन्द्रीय विश्वविद्यालय अधिनियम, 2009 कंडिका 25 के अंतर्गत स्थापित केन्द्रीय विश्वविद्यालय)
कोनी, बिलासपुर (छ.ग.)

# अनुक्रमणिका

घोषणा-पत्र i
प्रमाण-पत्र ii
आभार iii
भूमिका iv-v
अध्याय 1. **कथाकार देवेंद्र : व्यक्तित्व एवं कृतित्व**
1.1 कथाकार देवेंद्र का व्यक्तित्व
1.2 कथाकार देवेंद्र का कृतित्व
अध्याय 2. **समकालीन कहानी : उत्पति एवं विकास** 00-00
2.1 समकालीन कहानी की पृष्ठभूमि
2.2 समकालीन कहानी का विकास
2.3 कथाकार देवेंद्र की कहानियों की विशेषताएँ
अध्याय 3. **'नालंदा पर गिद्ध' कहानी-संग्रह में वर्णित समाज** 00-00
3.1 कथाकार देवेंद्र की कहानियों में उपस्थित लोक जीवन
3.2 'शहर कोतवाल की कविता' में समकालीनता के तत्व
अध्याय 4. **अवसरवादी गिद्धों की नालंदा पर आधिपत्य का प्रभाव** 00-00
4.1 नालंदा पर गिद्ध कहानी का मूल्याँकन
4.2 गरीबी, बेरोजगारी और अवसरवाद के दौर में मध्यवर्गीय जीवन की त्रासदी
अध्याय 5. उपसंहार 00-00
**संदर्भ-सूची** 00
(क) आधार-ग्रंथ
(ख) सहायक ग्रंथ
(ग) वेबसाइट लिंक

# घोषणा-पत्र

मैं **प्रेरणा श्रीवास** यह घोषणा करती हूँ कि **"अवसरवादी गिद्धों की नालंदा पर आधिपत्य के प्रभाव का अध्ययन"** विषय पर प्रस्तुत यह लघु-शोध-प्रबंध मेरे द्वारा संग्रहित तथ्यों पर आधारित है तथा यह मेरा मौलिक कार्य है। इसे अंशतः या पूर्णतः इस विश्वविद्यालय या किसी अन्य विश्वविद्यालय/संस्थान में किसी उपाधि हेतु प्रस्तुत नहीं किया गया है। यह शोध-कार्य मैंने **डॉ. अखिलेश गुप्ता**, सहायक प्राध्यापक, हिंदी विभाग, गुरु घासीदास विश्वविद्यालय, बिलासपुर (छ.ग.) के मार्गदर्शन में पूरा किया है। मैं घोषणा करती हूँ कि प्रस्तुत लघु-शोध-प्रबंध को पूरा करने में मैंने विश्वविद्यालय के शोध-संबंधी सभी नियमों का पालन किया है।

स्थान : हिंदी विभाग, बिलासपुर (छ.ग.)

दिनांक : 30/08/24

प्रस्तुतकर्ता

**प्रेरणा श्रीवास**

एम. ए. उत्तरार्द्ध, हिंदी विभाग
गु.घा.वि.वि., बिलासपुर
नामांकन संख्या- GGV/19/0230

# प्रमाण-पत्र

यह प्रमाणित किया जाता है कि **प्रेरणा श्रीवास** ने मेरे मार्गदर्शन में **"अवसरवादी गिद्धों की नालंदा पर आधिपत्य के प्रभाव का अध्ययन"** विषय पर अपना लघु शोध-प्रबंध पूरा किया है। यह लघु शोध विद्यार्थी द्वारा प्रस्तुत घोषणा-पत्र के अनुसार उसके द्वारा संग्रहित तथ्यों पर आधारित है और उनका यह मौलिक कार्य है। जिसमें विश्वविद्यालय के शोध-संबंधी सभी नियमों का पालन किया गया है।

मैं इसे मूल्यांकन हेतु प्रेषित किये जाने की संस्तुति करता हूँ।

स्थान : हिंदी विभाग, बिलासपुर (छ.ग.)

दिनांक : 30/08/2024

30/08/2024

मार्गदर्शक

**डॉ. अखिलेश गुप्ता**
हिंदी विभाग
गुरु घासीदास विश्वविद्यालय, बिलासपुर

गुरु घासीदास विश्वविद्यालय
(केन्द्रीय विश्वविद्यालय अधिनियम 2009 क्र. 25 के अंतर्गत स्थापित केन्द्रीय विश्वविद्यालय)
कोनी, बिलासपुर - 495009 (छ.ग.)

Guru Ghasidas Vishwavidyalaya
(A Central University Established by the Central Universities Act 2009 No. 25 of 2009)
Koni, Bilaspur – 495009 (C.G.)

# समकालीन कविता में श्रीकांत वर्मा का योगदान

स्नातकोत्तर हिन्दी (चतुर्थ सेमेस्टर) के चतुर्थ प्रश्न-पत्र की प्रतिपूर्ति हेतु प्रस्तुत

## लघु शोध-प्रबंध

सत्र : 2023-24

मार्गदर्शक
डॉ. गौरी त्रिपाठी
सह-प्राध्यापक, हिन्दी विभाग
गु. घा. वि. वि. बिलासपुर

विभागाध्यक्ष
डॉ. गौरी त्रिपाठी
सह-प्राध्यापक, हिन्दी विभाग
गु. घा. वि. वि. बिलासपुर

प्रस्तुतकर्ता
प्रियांशु तिवारी
स्नातकोत्तर हिंदी चतुर्थ सेमेस्टर
ना. क्र.- GGV/22/00306

हिन्दी विभाग
कला अध्ययनशाला
गुरु घासीदास विश्वविद्यालय
(केन्द्रीय विश्वविद्यालय अधिनियम, 2009 कंडिका 25 के अंतर्गत स्थापित केन्द्रीय विश्वविद्यालय)
कोनी, बिलासपुर (छ.ग.)

Scanned with OKEN Scanner

# घोषणा पत्र

मैं, **प्रियांशु तिवारी** यह घोषणा करता हूं कि **"समकालीन कविता में श्रीकांत वर्मा का योगदान"** विषय पर प्रस्तुत यह लघु-शोध-प्रबंध मेरे द्वारा संग्रहित तथ्यों पर आधारित है तथा यह मेरा मौलिक कार्य है। इसे अंशतः या पूर्णतः इस विश्वविद्यालय या किसी अन्य विश्वविद्यालय/संस्थान में किसी उपाधि हेतु प्रस्तुत नहीं किया गया है। यह शोध- कार्य मैंने डॉ. गौरी त्रिपाठी, विभागाध्यक्ष, हिन्दी विभाग, गुरु घासीदास विश्वविद्यालय, बिलासपुर (छ.ग.) के मार्गदर्शन में पूरा किया है। मैं घोषणा करता हूँ कि प्रस्तुत लघु-शोध-प्रबंध को पूरा करने में मैंने विश्वविद्यालय के शोध-संबंधी सभी नियमों का पालन किया है।

स्थान: हिन्दी विभाग, बिलासपुर

दिनांक: 30/09/2024

Tiwari

प्रस्तुतकर्ता

**प्रियांशु तिवारी**

एम. ए. उतरार्द्ध, हिन्दी विभाग

गु. घा. वि. वि. बिलासपुर

नामांकन संख्या – GGV/22/00306

# प्रमाण पत्र

यह प्रमाणित किया जाता है कि **प्रियांशु** ने मेरे मार्गदर्शन में **"समकालीन कविता में श्रीकांत वर्मा का योगदान"** विषय पर अपना लघु-शोध-प्रबंध पूरा किया है। वह लघु-शोध विद्यार्थी द्वारा प्रस्तुत घोषणा-पत्र के अनुसार उसके द्वारा संग्रहित तथ्यों पर आधारित तथा उनका मौलिक कार्य है। जिसमें विश्वविद्यालय के शोध-संबंधी सभी नियमों का पालन किया गया है।

मैं इसे मूल्यांकन हेतु प्रेषित किये जाने की संस्तुति करती हूँ।

स्थान : हिन्दी विभाग, बिलासपुर

दिनांक : 30/08/2024

मार्गदर्शक

**डॉ. गौरी त्रिपाठी**

विभागाध्यक्ष, हिन्दी विभाग

गु. घा. वि. वि. बिलासपुर

# अध्याय विभाजन

| | पृष्ठ संख्या |
|---|---|
| घोषणा पत्र | i |
| प्रमाण पत्र | ii |
| आभार | iii |
| भूमिका | iv-vi |
| 1 प्रथम अध्याय : समकालीन कविता | 1 – 10 |
| 1.1 समकालीनता का अर्थ | |
| 1.2 परिभाषा | |
| 1.3 विशेषताएं | |
| 2 द्वितीय अध्याय : श्रीकांत वर्मा और उनका काव्य | 11 – 22 |
| 2.1 भटका मेघ और मायादर्पण | |
| 2.2 दिनारम्भ और जलसाघर | |
| 2.3 मगध और गरुण किसने देखा | |
| 3 तृतीय अध्याय : श्रीकांत वर्मा का काव्य : संवेदना। | 23 – 32 |
| 3.1 व्यक्ति और समाज सम्बन्धी संवेदन | |
| 3.2 राजनीति संबंधी संवेदना | |
| 3.3 प्रकृति, प्रेम और सौन्दर्य संबंधी संवेदना | |

4 चतुर्थ अध्याय : श्रीकांत वर्मा के काव्य में व्यक्ति, समाज और संस्कृति का अनुशीलन 33 – 44

4.1 युगीन परिवेश का यथार्थपूर्ण चित्रण

4.2 लोकतंत्र शासन के प्रति नकारात्मक दृष्टिकोण

4.3 आम जनता की दयनीय स्थिति का चित्रण

4.4 सभ्यता की समीक्षा

5 पंचम अध्याय : श्रीकांत वर्मा के काव्य में शिल्प विधान 45 – 54

5.1 भाषिक-योजना

5.2 बिम्ब और प्रतीक योजना

5.3 अलंकार और छंद विधान

5.4 व्यंग्यात्मकता

उपसंहार 55 – 56

संदर्भ सूची 57 – 58

गुरु घासीदास विश्वविद्यालय
(केन्द्रीय विश्वविद्यालय अधिनियम 2009 क्र. 25 के अंतर्गत स्थापित केन्द्रीय विश्वविद्यालय)
कोनी, बिलासपुर - 495009 (छ.ग.)

Guru Ghasidas Vishwavidyalaya
(A Central University Established by the Central Universities Act 2009 No. 25 of 2009)
Koni, Bilaspur – 495009 (C.G.)

# हिन्दी कथा साहित्य :(कहानी और उपन्यास) के केन्द्रीय बाल चित्रण

स्नातकोत्तर हिन्दी (चतुर्थ सेमेस्टर) के चतुर्थ प्रश्न-पत्र की प्रतिपूर्ति हेतु प्रस्तुत

## लघु शोध-प्रबंध

**सत्र : 2023-24**

मार्गदर्शक
डॉ. मुरली मनोहर सिंह
सहायक प्राध्यापक, हिन्दी विभाग
गु. घा. वि. वि. बिलासपुर

विभागाध्यक्ष
डॉ. गौरी त्रिपाठी
सह-प्राध्यापक, हिन्दी विभाग
गु. घा. वि. वि. बिलासपुर

Rishabh Kr. Gupta. 30-08-24
प्रस्तुतकर्ता
ऋषभ कुमार गुप्ता
स्नातकोत्तर हिंदी चतुर्थ सेमेस्टर
ना. क्र.- GGV/22/00307

हिन्दी विभाग
कला अध्ययनशाला
गुरु घासीदास विश्वविद्यालय
(केन्द्रीय विश्वविद्यालय अधिनियम, 2009 कंडिका 25 के अंतर्गत स्थापित केन्द्रीय विश्वविद्यालय)
कोनी, बिलासपुर (छ.ग.)

# घोषणा पत्र

मैं 'ऋषभ कुमार गुप्ता' या घोषणा करता हूं कि "हिंदी कथा साहित्य: (कहानी और उपन्यास) में बाल चित्रण" विषय पर प्रस्तुत यह परियोजना कार्य मेरे द्वारा संग्रहित तथ्यों पर आधारित है तथा यह मेरा मौलिक कार्य है, इसे अंशत: या पूर्णता इस विश्वविद्यालय का किसी अन्य संस्थाओं में किसी उपाधि हेतु प्रस्तुत नहीं किया गया है। यह शोध कार्य मैंने अभिभावक तुल्य डॉ. मुरली मनोहर सर, सहायक प्राध्यापक, हिंदी विभाग गुरु घसीदास विश्वविद्यालय, बिलासपुर, छत्तीसगढ़ के मार्गदर्शन में पूरा किया गया है।

मैं घोषणा करता हूं की प्रस्तुत लघु शोध प्रबंध को पूरा करने में मैं विश्वविद्यालय के शोध संबंधी सभी नियमों का पालन किया है।

स्थान: बिलासपुर
दिनांक 30-08-24.

Rishabh Kr. Gupta
30-08-24.

भवदीय
ऋषभ कुमार गुप्ता
एम. ए. (हिंदी) चतुर्थ सेमेस्टर
हिंदी विभाग
गुरु घासीदास विश्वविद्यालय, बिलासपुर (छ.ग.)
नामांकन संख्या- GGV/22/00307
अनुक्रमांक संख्या- 22005116

# प्रमाण पत्र

यह प्रमाणित किया जाता है कि ऋषभ कुमार गुप्ता ने मेरे मार्गदर्शन में हिंदी कथा साहित्य: (कहानी और उपन्यास) में बाल चित्रण विषय पर अपना परियोजना कार्य पूरा किया है। यह परियोजना-कार्य विद्यार्थी द्वारा प्रस्तुत घोषणा-पत्र के अनुसार उसके द्वारा संग्रहित तथ्यों पर आधारित तथा उसका मौलिक कार्य है, जिसमें विश्वविद्यालय के शोध-परियोजना संबंधी सभी नियमों का पालन किया गया है।

मैं इसे मूल्यांकन हेतु प्रेषित किए जाने की संस्तुति करता हूं।

स्थान :
हिंदी विभाग,
गुरु घासीदास विश्वविद्यालय, बिलासपुर
दिनांक : 30-08-24.

मार्गदर्शक
डॉ. मुरली मनोहर सिंह
सहायक प्राध्यापक
हिंदी विभाग
गुरु घासीदास विश्वविद्यालय,बिलासपुर(छ.ग.)

# भूमिका

मेरे इस लघु शोध प्रबंध का विषय "हिंदी कथा साहित्य: (कहानी और उपन्यास) के केंद्रीय बल चरित्र" जिसमें प्रेमचंद (ईदगाह) जयशंकर प्रसाद (मधुआ) विश्वंभर नाथ शर्मा कौशिक (ताई) जैनेंद्र कुमार (अपना अपना भाग्य) चंद्रधर शर्मा गुलेरी (उसने कहा था) कहानी का चयन किया गया, साथ में मन्नू भंडारी के उपन्यास आपका बंटी भी शामिल है।

लघु शोध प्रबंध के विषय को लेकर एक एक कहानी का संक्षिप्त और सार गर्भित तरीके से कार्य करने का कोशिश किया गया है

प्रेमचंद 'ईदगाह' इस कहानी में पत्र हमीद एक ऐसा बालक है, जो अभावपूर्ण जीवन व्यतीत करने के कारण समय से पहले ही बड़ा हो जाता है समय उसे यह सिखा देता है कि तुम्हें अपने पैसे कब कहां और कितना खर्च करना है। जहां सभी बच्चे मिठाइयां,..., रुपए खर्च करते हैं वहीं बालक हामिद अपनी दादी के लिए चिमटा खरीदना हुआ पाठक के समक्ष उपस्थित होता है इस प्रकार बालक हामिद बूढ़ा हमीद के रूप में देख सकते हैं और अपने जीवन को खुशी-खुशी जीता है

दूसरी कहानी जयशंकर प्रसाद की 'मधुआ' कहानी है इसमें बालक मधुआ एक ऐसा पत्र है जिसका इस दुनिया में कोई नहीं वह अपने जीवन यापन के लिए ठाकुर साहब के यहां नौकरी करता है जहां उसे पैसे के बदले सिर्फ खाना मिलता है और डांत अलग। एक दिन लल्लू जमादार से मधुआ खाने को लेकर जिक्र करता है तो उसे खान के बदले और मारा मिलती है जिससे वह या निश्चय करता है कि अब मैं ठाकुर साहब के यहां कभी नौकरी नहीं करूंगा और वह एक शराबी के साथ काम करता है। बालक के करुण कथा को सुनकर और ठाकुर साहब के यहां नौकरी न करने का दृढ़ संकल्प से शराबी भी शराब पीना छोड़कर काम करता और दोनों जीवन खुशी से यापान करते।

विश्वंभर नाथ शर्मा कौशिक ताई कहानी इस कहानी में पत्र मनोहर एक पंचवर्षीय बालक है जो अपने ताऊजी से लेलगाड़ी (रेलगाड़ी) मांगता है.. पूरी कहानी में बालक मनोहर अपने पिता से अधिक अपने ताऊजी के साथ अधिकाधिक समय व्यतीत करता क्योंकि ताऊजी बालक मनोहर से खूब प्यार करते हैं प्ठीक इसकी विपरीत ताई उसे बिल्कुल भी प्यार नहीं करती क्योंकि वह नि:संतानत: का बोझ से अपने को पीड़ित पाती क्योंकि वह अपने आप तक ही सीमित रहती थी कारण वह दुखी रहती परंतु अंत

गुरु घासीदास विश्वविद्यालय
(केन्द्रीय विश्वविद्यालय अधिनियम 2009 क्र. 25 के अंतर्गत स्थापित केन्द्रीय विश्वविद्यालय)
कोनी, बिलासपुर - 495009 (छ.ग.)

Guru Ghasidas Vishwavidyalaya
(A Central University Established by the Central Universities Act 2009 No. 25 of 2009)
Koni, Bilaspur – 495009 (C.G.)

# प्रेमचंद के कहानियों में सामाजिक रूप

एम. ए. हिन्दी (चतुर्थ सेमेस्टर) के चतुर्थ प्रश्न – पत्र की प्रतिपूर्ति हेतु प्रस्तुत

## लघु शोध–प्रबंध

**सत्र : 2023-24**

**मार्गदर्शक**
**डॉ. अतुल कुमार**
सहायक प्राध्यापक
हिन्दी विभाग, गु.घा.वि.वि.,बिलासपुर

**विभागाध्यक्ष**
**डॉ. गौरी त्रिपाठी**
सह-प्राध्यापक
हिन्दी विभाग, गु.घा.वि.वि.,बिलासपुर

**प्रस्तुतकर्ता**
**रोशनी जयसवाल**
एम.ए. हिन्दी (चतुर्थ सेमेस्टर)
ना. क्र.- GGV/22 /00308
हिन्दी विभाग, गु.घा.वि.वि.,बिलासपुर

---

**हिन्दी विभाग**
**कला अध्ययनशाला**
**गुरु घासीदास विश्वविद्यालय बिलासपुर (छ.ग.)**
(केन्द्रीय विश्वविद्यालय अधिनियम, 2009, क्रमांक 25 के अंतर्गत स्थापित केन्द्रीय विश्वविद्यालय )
(NAAC GRADE : A ++)

# घोषणा पत्र

मैं, रोशनी जयसवाल यह घोषणा करती हूं कि **" प्रेमचंद के कहानियों का सामाजिक रूप"** विषय पर प्रस्तुत यह लघु-शोध-प्रबंध मेरे द्वारा संग्रहित तथ्यों पर आधारित है तथा यह मेरा मौलिक कार्य है। इसे अंशतः या पूर्णतः इस विश्वविद्यालय या किसी अन्य विश्वविद्यालय/संस्थान में किसी उपाधि हेतु प्रस्तुत नहीं किया गया है। यह शोध - कार्य डॉ. **अतुल कुमार**, सहायक प्राध्यापक, हिन्दी विभाग, गुरु घासीदास विश्वविद्यालय, बिलासपुर (छ.ग.) के मार्गदर्शन में पूरा किया है। मैं घोषणा करती हूँ कि प्रस्तुत लघु-शोध-प्रबंध को पूरा करने में मैंने विश्वविद्यालय के शोध-संबंधी सभी नियमों का पालन किया है।

स्थानः हिन्दी विभाग, बिलासपुर

दिनांक: 30/08/2024

Roshni
प्रस्तुतकर्ता

रोशनी जयसवाल

एम. ए. उतरार्द्ध, हिन्दी विभाग

गु. घा. वि. वि. बिलासपुर

नामांकन संख्या GGV/22/00308

# प्रमाण पत्र

यह प्रमाणित किया जाता है कि रोशनी जयसवाल ने मेरे मार्गदर्शन में **" प्रेमचंद के कहानियों का सामाजिक रूप "** विषय पर अपना लघु- शोध-प्रबंध पूरा किया है। वह लघु-शोध विद्यार्थी द्वारा प्रस्तुत घोषणा-पत्र के अनुसार उसके द्वारा संग्रहित तथ्यों पर आधारित तथा उनका मौलिक कार्य है। जिसमें विश्वविद्यालय के शोध-संबंधी सभी नियमों का पालन किया गया है।

मैं इसे मूल्यांकन हेतु प्रेषित किये जाने की संस्तुति करता हूँ।

स्थान : हिन्दी विभाग, बिलासपुर

दिनांक : 30.08.24

मार्गदर्शक

डॉ. अतुल कुमार

सहायक प्रध्यापक, हिन्दी विभाग

गु. घा. वि. वि. बिलासपुर

# [अनुक्रमणिका]

घोषणा पत्र

प्रमाण पत्र

आभार

भूमिका

**अध्याय 1. व्यक्तित्व एवं कृतित्व**

प्रेमचंद का जीवन

कृतित्व

**अध्याय 2. हिंदी कहानी का विकास**

हिंदी कहानी का प्रारंभ युग

प्रेमचंद युग

प्रेमचंद उत्तर युग

नई कहानी

सचेतन कहानी

अकहानी

समांतर कहानी

जनवादी कहानी

समकालीन परिदृश्य

**अध्याय 3. प्रेमचंद की कहानी को सामाजिक रूप**

ईदगाह

दो बैलों की कथा

बुढ़ी काकी

पंच परमेश्वर

सद्गति

ठाकुर का कुआं

पूस की रात

बड़े घर की बेटी

सवा सेर गेहूं

कफन

अध्याय 4. उपसंहार

गुरु घासीदास विश्वविद्यालय
(केन्द्रीय विश्वविद्यालय अधिनियम 2009 क्र. 25 के अंतर्गत स्थापित केन्द्रीय विश्वविद्यालय)
कोनी, बिलासपुर - 495009 (छ.ग.)

Guru Ghasidas Vishwavidyalaya
(A Central University Established by the Central Universities Act 2009 No. 25 of 2009)
Koni, Bilaspur – 495009 (C.G.)

# समकालीन हिंदी नवगीत परम्परा में छत्तीसगढ़ के रचनाकारों का योगदान

स्नातकोत्तर हिन्दी (चतुर्थ सेमेस्टर) के चतुर्थ प्रश्न पत्र की प्रतिपूर्ति हेतु प्रस्तुत

लघु शोध–प्रबंध

सत्र– 2023–24

मार्गदर्शक
डॉ. राजेश मिश्रा
सहायक प्राध्यापक, हिन्दी विभाग
गु.घा.वि.वि.बिलासपुर

विभागाध्यक्ष
डॉ. गौरी त्रिपाठी
सह प्राध्यापक, हिन्दी विभाग
गु. घा.वि.वि.बिलासपुर

संदीप
प्रस्तुतकर्ता
संदीप चेल्से
स्नात्कोत्तर हिन्दी चतुर्थ सेमेस्टर
ना.सं. GGV/19/0085

हिन्दी विभाग
कला अध्ययनशाला

गुरू घासीदास विश्वविद्यालय

(केन्द्रीय विश्वविद्यालय अधिनियम, 2009 कंडिका 25 के अंतर्गत स्थापित केन्द्रीय विश्वविद्यालय)

कोनी बिलासपुर (छ.ग.)

# विषयानुक्रमणिका

पृष्ठ संख्या

आभार i

घोषणा पत्र ii

प्रस्तावना iii

1 **प्रथम अध्याय: नवगीत से अभिप्राय** 01-12

1.1 नवगीत की परिभाषा

1.2 नवगीत की विशेषताएं

2 **द्वितीय अध्याय: नवगीत का उदभव एवम विकास** 13-15

2.1 नवगीत का उदभव

3 **तृतीय अध्याय: नवगीत और गीतों में अन्तरसम्बद्ध** 16-27

3.1 गीत की परिभाषा

3.2 गीत यात्रा

3.3 गीत और नवगीत में अन्तरसम्बद्ध

4 **चतुर्थ अध्याय: नवगीत और समसामयिकता** 28-41

4.1 प्रमुख नवगीत कार

5 **पंचम अध्याय: छत्तीसगढ़ के प्रमुख नवगीत कारों का नवगीत विद्या में योगदान एवं मूल्यांकन** 42-51

5.1 जनचेतना के स्वर

5.2 सामाजिक समस्यायों का चित्रण

**उपसंहार** 52-55

**संदर्भ सूची** 56-57

गुरु घासीदास विश्वविद्यालय
(केन्द्रीय विश्वविद्यालय अधिनियम 2009 क्र. 25 के अंतर्गत स्थापित केन्द्रीय विश्वविद्यालय)
कोनी, बिलासपुर - 495009 (छ.ग.)

Guru Ghasidas Vishwavidyalaya
(A Central University Established by the Central Universities Act 2009 No. 25 of 2009)
Koni, Bilaspur – 495009 (C.G.)

घोषणा पत्र

मैं संदीप चेल्से यह घोषणा करता हूँ की " समकालीन हिंदी नवगीत परंपरा में छत्तीसगढ़ के रचनाकारों का योगदान " विषय पर प्रस्तुत यह लघु शोध प्रबंध मेरे द्वारा संग्रहित तथ्यो पर आधारित है तथा यह मेरा मौलिक कार्य है।

इसे अंसतः इस विश्वविद्यालय या अन्य किसी विश्वविद्यालय या किसी उपाधि हेतु प्रस्तुत नहीं किया गया हैं यह शोध कार्य मैं डॉ राजेश मिश्रा, सहायक प्रध्यापक, हिंदी विभाग गुरु घसीदास विश्वविद्यालय, (छः ग )बिलासपुर के मार्गदर्शन में पूरा किया हैं। मैं घोषणा करता हूं कि प्रस्तुत लघु शोध प्रबंध को पूरा करने में मैंने विश्वविद्यालय के शोध संबंधी सभी नियमों का पालन किया है।

स्थान हिन्दी विभाग बिलासपुर
दिनांक : 30 - 08 - 2024

संदीप
प्रस्तुत कर्ता
संदीप चेल्से

एम ए चतुर्थ सेमेस्टर
हिन्दी विभाग
नामांकन संख्या - Ggv/19/0085
गु घा.वि. वि बिलासपुर

गुरु घासीदास विश्वविद्यालय
(केन्द्रीय विश्वविद्यालय अधिनियम 2009 क्र. 25 के अंतर्गत स्थापित केन्द्रीय विश्वविद्यालय)
कोनी, बिलासपुर – 495009 (छ.ग.)

Guru Ghasidas Vishwavidyalaya
(A Central University Established by the Central Universities Act 2009 No. 25 of 2009)
Koni, Bilaspur – 495009 (C.G.)

# 'फिर उगना' में आदिवासी जीवन-दर्शन का चित्रण

स्नातकोत्तर हिन्दी (चतुर्थ सेमेस्टर) के चतुर्थ प्रश्न-पत्र की प्रतिपूर्ति हेतु प्रस्तुत

## लघु शोध-प्रबंध

**सत्र: 2023-24**

मार्गदर्शक
**डॉ. अनीश कुमार**
सहायक प्राध्यापक, हिन्दी विभाग
गु.घा.वि.वि, बिलासपुर

विभागाध्यक्ष
**डॉ. गौरी त्रिपाठी**
सह–प्राध्यापक, हिन्दी विभाग
गु.घा.वि.वि, बिलासपुर

प्रस्तुतकर्ता
**संदीप कुजूर**
स्नातकोत्तर हिन्दी चतुर्थ सेमेस्टर
ना. सं. GGV/22/00309

**हिन्दी विभाग**
**कला अध्ययनशाला**
**गुरु घासीदास विश्वविद्यालय**
(केन्द्रीय विश्वविद्यालय अधिनियम, 2009 कंडिका 25 के अंतर्गत स्थापित केन्द्रीय विश्वविद्यालय)
कोनी, बिलासपुर (छ.ग.)

# विषयानुक्रमणिका

| | पृष्ठ संख्या |
|---|---|
| **घोषणा-पत्र** | 2 |
| **प्रमाण-पत्र** | 3 |
| **आधार** | 4 |
| **भूमिका** | 6 |
| **अध्याय एक : पार्वती तिर्की : व्यक्तित्व व कृतित्व** | 8-13 |
| 1.1 व्यक्तित्व | |
| 1.2 फिर उगना कविता संग्रह का सामान्य परिचय | |
| **अध्याय दो : 'फिर उगना' में आदिवासियत व आदिवासी लोकवृत्त** | 15-37 |
| 2.1 आदिवासी : अर्थ, परिभाषा व स्वरूप | |
| 2.2 स्थानीयता के स्वर और आदिवासियत | |
| 2.3 वाचिकता और आदिवासी पर्व व त्यौहार का चित्रण | |
| 2.4 आदिवासी सौंदर्यबोध और लोकवृत | |
| **अध्याय तीन : 'फिर उगना' में सामाजिक सांस्कृतिक परिदृश्य** | 39-61 |
| 3.1 सामाजिक-सांस्कृतिक परिदृश्य | |
| 3.2 सह-जीविता का विधान | |
| 3.3 बाहरी हस्तक्षेप और विस्थापन | |
| 3:4 भाषा शैली एवम शिल्प विधान | |
| **उपसंहार** | 53 |
| **संदर्भ-सूची** | 55 |

# घोषणा-पत्र

मैं, **संदीप कुजूर** यह घोषणा करता हूँ कि **"फिर उगना में आदिवासी जीवन-दर्शन का चित्रण"** विषय पर प्रस्तुत यह लघु-शोध-प्रबंध मेरे द्वारा संग्रहित तथ्यों पर आधारित है तथा यह मेरा मौलिक कार्य है। इसे अंशतः या पूर्णतः इस विश्वविद्यालय या किसी अन्य विश्वविद्यालय/संस्थान में किसी उपाधि हेतु प्रस्तुत नहीं किया गया है। यह शोध-कार्य मैंने **डॉ. अनीश कुमार**, सहायक प्राध्यापक, हिन्दी विभाग, गुरु घासीदास विश्वविद्यालय, बिलासपुर (छ.ग.) के मार्गदर्शन में पूरा किया है। मैं घोषणा करता हूँ कि प्रस्तुत लघु शोध-प्रबंध को पूरा करने में मैंने विश्वविद्यालय के शोध-संबंधी सभी नियमों का पालन किया है।

स्थान: हिन्दी विभाग, गुरु घासीदास विश्वविद्यालय, बिलासपुर
दिनांक: 29/09/2024

प्रस्तुतकर्ता
**संदीप कुजूर**
एम. ए. उत्तरार्द्ध हिन्दी विभाग
गु.घा.वि.वि, बिलासपुर (छ.ग.)
नामांकन संख्या- GGV/22/00309

# प्रमाण-पत्र

यह प्रमाणित किया जाता है कि **संदीप कुजूर** ने मेरे मार्गदर्शन में "फिर उगना में आदिवासी जीवन-दर्शन का चित्रण" विषय पर अपना लघु शोध-प्रबंध पूरा किया है। यह लघु-शोध विद्यार्थी द्वारा प्रस्तुत घोषणा-पत्र के अनुसार उसके द्वारा संग्रहित तथ्यों पर आधारित तथा उनका मौलिक कार्य है। जिसमें विश्वविद्यालय के शोध-संबंधी सभी नियमों का पालन किया गया है।

मैं इसे मूल्यांकन हेतु प्रेषित किये जाने की संस्तुति करता हूँ।

स्थान : हिन्दी विभाग, गुरु घासीदास विश्वविद्यालय, बिलासपुर
दिनांक: 29/09/2024

मार्गदर्शक
**डॉ. अनीश कुमार**
सहायक प्राध्यापक, हिन्दी विभाग
गुरु घासीदास विश्वविद्यालय, बिलासपुर

गुरु घासीदास विश्वविद्यालय
(केन्द्रीय विश्वविद्यालय अधिनियम 2009 क्र. 25 के अंतर्गत स्थापित केन्द्रीय विश्वविद्यालय)
कोनी, बिलासपुर - 495009 (छ.ग.)

Guru Ghasidas Vishwavidyalaya
(A Central University Established by the Central Universities Act 2009 No. 25 of 2009)
Koni, Bilaspur – 495009 (C.G.)

# प्रेमचंद की कहानियों में सामंतवादी चित्रण

स्नातकोत्तर हिन्दी (चतुर्थ सेमेस्टर) के चतुर्थ प्रश्न-पत्र की प्रतिपूर्ति हेतु प्रस्तुत

**लघु शोध-प्रबंध**

सत्र : 2023-24

मार्गदर्शक
**डॉ. मुरली मनोहर सिंह**
सहायक प्राध्यापक, हिन्दी विभाग
गु.घा.वि.वि, बिलासपुर

विभागाध्यक्ष
**डॉ. गौरी त्रिपाठी**
सह–प्राध्यापक, हिन्दी विभाग
गु.घा.वि.वि, बिलासपुर

प्रस्तुतकर्ता
**सत्यम गुप्ता**
स्नातकोत्तर हिन्दी चतुर्थ सेमेस्टर
ना. सं. GGV/22/00310

**हिन्दी विभाग**
**कला अध्ययनशाला**
**गुरु घासीदास विश्वविद्यालय**
(केन्द्रीय विश्वविद्यालय अधिनियम, 2009 कंडिका 25 के अंतर्गत स्थापित केन्द्रीय विश्वविद्यालय)
कोनी, बिलासपुर (छ.ग.)

# प्रमाण-पत्र

यह प्रमाणित किया जाता है कि **सत्यम गुप्ता** ने मेरे मार्गदर्शन में **'प्रेमचंद की कहानियों में सामंतवादी चित्रण'** विषय पर अपना परियोजना कार्य पूरा किया है। यह परियोजना-कार्य विद्यार्थी द्वारा प्रस्तुत घोषणा-पत्र के अनुसार उसके द्वारा संग्रहित तथ्यों पर आधारित तथा उसका मौलिक कार्य है जिसमें विश्वविद्यालय के शोध-परियोजना संबंधी सभी नियमों का पालन किया गया है।

मैं इसे मूल्यांकन हेतु प्रेषित किए जाने की संस्तुति करता हूं।

स्थान : हिंदी विभाग, गुरु घासीदास विश्वविद्यालय, बिलासपुर

दिनांक : 30/08/2024

मार्गदर्शक

**डॉ. मुरली मनोहर सिंह**

सहायक प्राध्यापक, हिंदी विभाग

गुरु घासीदास विश्वविद्यालय, बिलासपुर, छत्तीसगढ़

# घोषणा-पत्र

मैं, **सत्यम गुप्ता** यह घोषणा करता हूं कि **'प्रेमचंद की कहानियों में सामंतवादी चित्रण'** विषय पर प्रस्तुत यह परियोजना-कार्य मेरे द्वारा संग्रहित तथ्यों पर आधारित है तथा यह मेरा मौलिक कार्य है, इसे अंशत: या पूर्णतः इस विश्वविद्यालय या किसी अन्य संस्थान में किसी उपाधि हेतु प्रस्तुत नहीं किया गया है। यह परियोजना- कार्य मैंने डॉक्टर मुरली मनोहर सिंह, सहायक प्राध्यापक, हिंदी विभाग, गुरु घासीदास विश्वविद्यालय, बिलासपुर ( छ.ग.) के मार्गदर्शन में पूरा किया है।

मैं घोषणा करता हूं कि प्रस्तुत परियोजना-कार्य को पूरा करने में मैंने विश्वविद्यालय से शोध परियोजना संबंधी सभी नियमों का पालन किया है।

स्थान : हिंदी विभाग, गुरु घासीदास विश्वविद्यालय, बिलासपुर

दिनांक : 30/08/2024

प्रस्तुतकर्ता

**सत्यम गुप्ता**
परास्नातक चतुर्थ सेमेस्टर, हिंदी विभाग
गुरु घासीदास विश्वविद्यालय, बिलासपुर
छत्तीसगढ़
नामांकन संख्या - GGV/22/00310
अनुक्रमांक - 22005120

# विषय-सूची

| | |
|---|---|
| प्रमाण-पत्र | 1 |
| घोषणा-पत्र | 2 |
| आभार | 3 |
| प्रस्तावना | 4 |
| अध्याय एक : सामंतवाद | 5-18 |
| अध्याय दो : साहित्य में सामंतवाद का चित्रण | 19-31 |
| अध्याय तीन : प्रेमचंद की कहानियों में सामंती चित्रण | 32-52 |
| उपसंहार | 53 |

गुरु घासीदास विश्वविद्यालय
(केन्द्रीय विश्वविद्यालय अधिनियम 2009 क्र. 25 के अंतर्गत स्थापित केन्द्रीय विश्वविद्यालय)
कोनी, बिलासपुर - 495009 (छ.ग.)

Guru Ghasidas Vishwavidyalaya
(A Central University Established by the Central Universities Act 2009 No. 25 of 2009)
Koni, Bilaspur – 495009 (C.G.)

# उषा प्रियंवदा की कहानियों में मानव मूल्य

स्नातकोत्तर हिन्दी (चतुर्थ सेमेस्टर) के चतुर्थ प्रश्न-पत्र की प्रतिपूर्ति हेतु प्रस्तुत

## लघु शोध-प्रबंध

सत्र : 2023-24

**मार्गदर्शक**
डॉ. अतुल कुमार
सहायक प्राध्यापक, हिन्दी विभाग
गु. घा. वि. वि. बिलासपुर

**विभागाध्यक्ष**
डॉ. गौरी त्रिपाठी
सह-प्राध्यापक, हिन्दी विभाग
गु. घा. वि. वि. बिलासपुर

**प्रस्तुतकर्ता**
सावनी दास
स्नातकोत्तर हिंदी चतुर्थ सेमेस्टर
ना. क्र.- GGV/22/00311

हिन्दी विभाग
कला अध्ययनशाला
गुरु घासीदास विश्वविद्यालय
(केन्द्रीय विश्वविद्यालय अधिनियम, 2009 कंडिका 25 के अंतर्गत स्थापित केन्द्रीय विश्वविद्यालय)
कोनी, बिलासपुर (छ.ग.)

# घोषणा पत्र

मैं, **सावनी दास** यह घोषणा करती हूं कि **'उषा प्रियम्वदा की कहानियों में मानव मूल्य '**विषय पर प्रस्तुत यह लघु-शोध-प्रबंध मेरे द्वारा संग्रहित तथ्यों पर आधारित है तथा यह मेरा मौलिक कार्य है। इसे अंशतः या पूर्णतः इस विश्वविद्यालय या किसी अन्य विश्वविद्यालय/संस्थान में किसी उपाधि हेतु प्रस्तुत नहीं किया गया है। यह शोध- कार्य मैंने डॉ. अतुल कुमार, सहायक प्रध्यापक, हिन्दी विभाग, गुरु घासीदास विश्वविद्यालय, बिलासपुर (छ.ग.) के मार्गदर्शन में पूरा किया है। मैं घोषणा करती हूँ कि प्रस्तुत लघु-शोध-प्रबंध को पूरा करने में मैंने विश्वविद्यालय के शोध-संबंधी सभी नियमों का पालन किया है।

स्थान: हिन्दी विभाग, बिलासपुर

दिनांक: 30/08/2024

प्रस्तुतकर्ता

**सावनी दास**

एम. ए. उतरार्द्ध, हिन्दी विभाग

गु. घा. वि. वि. बिलासपुर

नामांकन संख्या – GGV/22/00311

# प्रमाण पत्र

यह प्रमाणित किया जाता है कि **सावनी** दास ने मेरे मार्गदर्शन में **"उषा प्रियम्वदा की कहानियों में मानव मुल्य"** विषय पर अपना लघु-शोध-प्रबंध पूरा किया है। वह लघु-शोध विद्यार्थी द्वारा प्रस्तुत घोषणा-पत्र के अनुसार उंसके द्वारा संग्रहित तथ्यों पर आधारित तथा उनका मौलिक कार्य है। जिसमें विश्वविद्यालय के शोध-संबंधी सभी नियमों का पालन किया गया है।

मैं इसे मूल्यांकन हेतु प्रेषित किये जाने की संस्तुति करता हूँ।

स्थान : हिन्दी विभाग, बिलासपुर

दिनांक : 30.08.24

मार्गदर्शक

**डॉ. अतुल कुमार**

सहायक प्रध्यापक, हिन्दी विभाग

गु. घा. वि. वि. बिलासपुर

# विषयानुक्रमणिका

घोषणा पत्र
प्रमाण पत्र
साभार
भूमिका
अध्याय एक : उषा प्रियंवदा का जीवन परिचय और कृतित्व
1.1 जीवन परिचय
1.2 कृतित्व
अध्याय दो : कहानी की अवधारणा
2.1 हिन्दीकहानियों का विकास
2.2 प्रेमचंद युग
2.3 समकालीन रचनाकार
2.4 महिलाकहानीकार
अध्याय तीन : उषा प्रियंवदा की कहानियों में मानव मूल्य
3.1 सामाजिक स्थिति
3.2 आर्थिक स्थिति
3.3 धार्मिक स्थिति
उपसंहार
संदर्भ सूची

गुरु घासीदास विश्वविद्यालय
(केन्द्रीय विश्वविद्यालय अधिनियम 2009 क्र. 25 के अंतर्गत स्थापित केन्द्रीय विश्वविद्यालय)
कोनी, बिलासपुर – 495009 (छ.ग.)

Guru Ghasidas Vishwavidyalaya
(A Central University Established by the Central Universities Act 2009 No. 25 of 2009)
Koni, Bilaspur – 495009 (C.G.)

# हिडिम्ब उपन्यास और पहाड़ी जनजीवन की समस्याएं

एम. ए. हिन्दी (चतुर्थ सेमेस्टर) के चतुर्थ प्रश्न – पत्र की प्रतिपूर्ति हेतु प्रस्तुत

लघु शोध–प्रबंध

सत्र : 2023-24

मार्गदर्शक
डॉ. रमेश कुमार गोहे
सहायक प्राध्यापक
हिन्दी विभाग, गु.घा.वि.वि.,बिलासपुर

विभागाध्यक्ष
डॉ. गौरी त्रिपाठी
सह-प्राध्यापक
हिन्दी विभाग, गु.घा.वि.वि.,बिलासपुर

प्रस्तुतकर्ता
सीमा पोर्ते
एम.ए. हिन्दी (चतुर्थ सेमेस्टर)
ना. क्र.- GGV/22/00312
अनुक्रमांक- 22005123
हिन्दी विभाग, गु.घा.वि.वि.,बिलासपुर

हिन्दी विभाग
कला अध्ययनशाला
गुरु घासीदास विश्वविद्यालय बिलासपुर (छ.ग.)
(केन्द्रीय विश्वविद्यालय अधिनियम, 2009, क्रमांक 25 के अंतर्गत स्थापित केन्द्रीय विश्वविद्यालय )
(NAAC GRADE : A ++)

गुरु घासीदास विश्वविद्यालय
(केन्द्रीय विश्वविद्यालय अधिनियम 2009 क्र. 25 के अंतर्गत स्थापित केन्द्रीय विश्वविद्यालय)
कोनी, बिलासपुर – 495009 (छ.ग.)

Guru Ghasidas Vishwavidyalaya
(A Central University Established by the Central Universities Act 2009 No. 25 of 2009)
Koni, Bilaspur – 495009 (C.G.)

## प्रमाण – पत्र

यह प्रमाणित किया जाता है कि **सीमा पोर्ते** ने मेरे मार्गदर्शन में कि **'हिडिम्ब उपन्यास और पहाड़ी जन जीवन की समस्याएँ''** विषय पर अपना लघु – शोध प्रबंध पूरा किया है। यह लघु शोध प्रबंध विद्यार्थी द्वारा प्रस्तुत घोषणा पत्र के अनुसार उसके द्वारा संग्रहित तथ्यों पर आधारित उनका मौलिक कार्य है। जिसमें विश्वविद्यालय के शोध संबंधी सभी नियमों का पालन किया गया है।

मैं इसे मूल्यांकन हेतु प्रेषित किए जाने की संस्तुति करता हूँ।

स्थान : बिलासपुर

दिनांक : 30/-08/-2024

मार्गदर्शक
**डॉ. रमेश कुमार गोहे**
सहायक प्राध्यापक
हिन्दी विभाग, गु.घा.वि.वि. बिलासपुर

गुरु घासीदास विश्वविद्यालय
(केन्द्रीय विश्वविद्यालय अधिनियम 2009 क्र. 25 के अंतर्गत स्थापित केन्द्रीय विश्वविद्यालय)
कोनी, बिलासपुर - 495009 (छ.ग.)

Guru Ghasidas Vishwavidyalaya
(A Central University Established by the Central Universities Act 2009 No. 25 of 2009)
Koni, Bilaspur – 495009 (C.G.)

## घोषणा-पत्र

मैं सीमा पोर्ते घोषणा करती हूं कि **'हिडिम्ब उपन्यास और पहाड़ी जन जीवन की समस्याएँ'** विषय पर यह लघु शोध प्रबंध मेरे द्वारा संग्रहित तथ्यों पर आधारित है तथा यह मेरा मौलिक कार्य है। इसे अंशतः या पूर्णतः इस विश्वविद्यालय किसी अन्य संस्थान मैंने किसी उपाधि हेतु प्रस्तुत नहीं किया गया है। यह शोध कार्य मैंने डॉ.रमेश कुमार गोहे, सहायक प्रध्यापक, हिंदी विभाग गुरु घासीदास विश्वविद्यालय बिलासपुर (छ.ग.) के मार्गदर्शन में पूरा किया है। मैं घोषणा करती हूं कि प्रस्तुत लघु - शोध प्रबंध पूरा करने में मैंने विश्वविद्यालय के शोध संबंधी सभी नियमों का पालन किया है।

स्थान - बिलासपुर
दिनांक – 30/08/2024

Seema Porte

प्रस्तुतकर्ता
सीमा पोर्ते
एम.ए. उत्तरार्द्ध , हिंदी विभाग
गु. घा. वि. वि., बिलासपुर
नामांकन GGV/22/00312

## अनुक्रमणिका


| | |
|---|---|
| **अध्याय : एक - लेखक का संक्षिप्त जीवन परिचय** | |
| 1 जन्म - मृत्यु | |
| 2 रचना कर्म | |
| 3 पुरस्कार | |
| 4 जीवन संघर्ष | |
| **अध्याय : दो- पहाड़ी विमर्श** | |
| 5 पहाड़ी जीवन और समाज | |
| 6 पहाड़ी संस्कृति | |
| 7 पहाड़ी परिवेश | |
| **अध्याय : तीन - हिडिम्ब उपन्यास और पहाड़ी दलित जन-जीवन** | |
| 8 दलित जीवन और समाज | |
| 9 पहाड़ के दलित जीवन की संस्कृति | |
| 10 पहाड़ी दलित परिवेश | |
| **अध्याय : चार - भाषा और शिल्प योजना** | |
| 11 भाषा | |
| 12 शिल्प विधान | |
| 13 संवाद योजना | |
| **अध्याय : पांच - उपसंहार** | |
| संदर्भ ग्रन्थ सूची | |
| आधार ग्रन्थ सूची | |

गुरु घासीदास विश्वविद्यालय
(केन्द्रीय विश्वविद्यालय अधिनियम 2009 क्र. 25 के अंतर्गत स्थापित केन्द्रीय विश्वविद्यालय)
कोनी, बिलासपुर - 495009 (छ.ग.)

Guru Ghasidas Vishwavidyalaya
(A Central University Established by the Central Universities Act 2009 No. 25 of 2009)
Koni, Bilaspur – 495009 (C.G.)

# "विवेकी राय के कथा साहित्य मे ग्रामीण जीवन का स्वरुप एवं संघर्ष "

एम. ए. हिन्दी (चतुर्थ सेमेस्टर) के चतुर्थ प्रश्न – पत्र की प्रतिपूर्ति हेतु प्रस्तुत

## लघु शोध–प्रबंध

सत्र : 2023-24

मार्गदर्शक
डॉ. गौरी त्रिपाठी
सह प्राध्यापक
हिन्दी विभाग, गु.घा.वि.वि.बिलासपुर

विभागाध्यक्ष
डॉ. गौरी त्रिपाठी
सह प्राध्यापक
हिन्दी विभाग, गु.घा.वि.वि.बिलासपुर

प्रस्तुतकर्ता
स्वरूप दास
एम. ए. हिन्दी (चतुर्थ सेमेस्टर)
ना. क्र.-GGV/16/0227
हिन्दी विभाग, गु घा. वि. वि. बिलासपुर

हिन्दी विभाग
कला अध्ययनशाला
गुरु घासीदास विश्वविद्यालय बिलासपुर (छ.ग.)
(केन्द्रीय विश्वविद्यालय अधिनियम, 2009, क्रमांक 25 के अंतर्गत स्थापित केन्द्रीय विश्वविद्यालय)
(NAAC GRADE : A ++

# घोषणा पत्र

मैं, **स्वरुप दास** यह घोषणा करता हूं कि **"विवेकी राय के कथा साहित्य में ग्रामीण जीवन का स्वरूप एवं संघर्स"** विषय पर प्रस्तुत यह लघु-शोध-प्रबंध मेरे द्वारा संग्रहित तथ्यों पर आधारित है तथा यह मेरा मौलिक कार्य है। इसे अंशतः या पूर्णतः इस विश्वविद्यालय या किसी अन्य विश्वविद्यालय/संस्थान में किसी उपाधि हेतु प्रस्तुत नहीं किया गया है। यह शोध- कार्य मैंने डॉ. गौरी त्रिपाठी, विभागाध्यक्ष, हिन्दी विभाग, गुरु घासीदास विश्वविद्यालय, बिलासपुर (छ.ग.) के मार्गदर्शन में पूरा किया है। मैं घोषणा करता हूँ कि प्रस्तुत लघु-शोध-प्रबंध को पूरा करने में मैंने विश्वविद्यालय के शोध-संबंधी सभी नियमों का पालन किया है।

स्थान: हिन्दी विभाग, बिलासपुर

दिनांक: 30/08/2024

प्रस्तुतकर्ता

**स्वरुप दास**

एम. ए. उतरार्द्ध, हिन्दी विभाग

गु. घा. वि. वि. बिलासपुर

नामांकन संख्या – GGV/16/0227

## [ अनुक्रमणिका ]

प्रमाण पत्र i

घोषण पत्र ii

आभार iii

भूमिका 3

प्रथम अध्याय : विवेकी राय का व्यक्तित्व एवं रचना संसार 4-10

(क) व्यक्तित्व

(ख) रचना संसार

(१) उपन्यास

(२) कहानी संग्रह

(३) निबंध

(४) काव्य

(५) अन्य

द्वितीय अध्याय : ग्रामीण जीवन : स्वरूप एवं विवेचना 11-24

(क) ग्रामीण-जीवन का अर्थ एवं स्वरूप

(ख) ग्रामीण- जीवन कथा साहित्य का उदय

(ग) ग्रामीण- जीवन का कथा साहित्य से संबंध

तृतीय अध्याय: विवेकी राय के कथा साहित्य का संक्षिप्त परिचय 26-29

(क) विवेकी राय के उपन्यासों का परिचय एवं पृष्ठभूमि

(ख) विवेकी राय के कहानियों का परिचय एवं पृष्ठभूमि

चतुर्थ अध्याय : विवेकी राय के कथा साहित्य में ग्रामीण बोध 31-33

के महत्वपूर्ण बिन्दु

# प्रमाण पत्र

यह प्रमाणित किया जाता है कि **स्वरुप दास** ने मेरे मार्गदर्शन में **"विवेकी राय के कथा साहित्य में ग्रामीण जीवन का स्वरूप एवं संघर्ष"** विषय पर अपना लघु-शोध-प्रबंध पूरा किया है। वह लघु-शोध विद्यार्थी द्वारा प्रस्तुत घोषणा-पत्र के अनुसार उसके द्वारा संग्रहित तथ्यों पर आधारित तथा उनका मौलिक कार्य है। जिसमें विश्वविद्यालय के शोध-संबंधी सभी नियमों का पालन किया गया है।

मैं इसे मूल्यांकन हेतु प्रेषित किये जाने की संस्तुति करती हूँ।

स्थान : हिन्दी विभाग, बिलासपुर

दिनांक : 30/09/2024

मार्गदर्शक

**डॉ. गौरी त्रिपाठी**

विभागाध्यक्ष, हिन्दी विभाग

गु. घा. वि. वि. बिलासपुर

# निर्मला पुतुल जी की कविता में आदिवासी स्त्री संवेदना

स्नातकोत्तर हिन्दी (चतुर्थ सेमेस्टर) के चतुर्थ प्रश्न-पत्र की प्रतिपूर्ति हेतु प्रस्तुत

**लघु शोध-प्रबंध**

सत्र : 2023-24

मार्गदर्शक
डॉ. गौरी त्रिपाठी
सह - प्राध्यापक, हिन्दी विभाग
गु. घा. वि. वि. बिलासपुर

विभागाध्यक्ष
डॉ. गौरी त्रिपाठी
सह - प्राध्यापक, हिन्दी विभाग
गु. घा. वि. वि. बिलासपुर

प्रस्तुतकर्ता
उस्मिता तिर्की
स्नातकोत्तर हिंदी चतुर्थ सेमेस्टर
ना. क्र.- GGV/19/0266

हिन्दी विभाग
कला अध्ययनशाला
गुरु घासीदास विश्वविद्यालय
(केन्द्रीय विश्वविद्यालय अधिनियम, 2009 कंडिका 25 के अंतर्गत स्थापित केन्द्रीय विश्वविद्यालय)
कोनी, बिलासपुर (छ.ग.)

# घोषणा पत्र

मैं, उस्मिता तिर्की यह घोषणा करती हूं कि "आदिवासी स्त्री संवेदना" विषय पर प्रस्तुत यह परियोजना-कार्य मेरे द्वारा संग्रहित तथ्यों पर आधारित है तथा यह मेरा मौलिक कार्य है, इसे अंशत: या पूर्णतः इस विश्वविद्यालय या किसी अन्य संस्थान में किसी उपाधि हेतु प्रस्तुत नहीं किया गया है। यह परियोजना– कार्य मैंने डॉक्टर गौरी त्रिपाठी, सह आचार्य एवम विभागाध्यक्ष, हिंदी विभाग, गुरु घासीदास विश्वविद्यालय, बिलासपुर ( छ.ग.) के मार्गदर्शन में पूरा किया है।

मैं घोषणा करती हूं कि प्रस्तुत परियोजना–कार्य को पूरा करने में मैंने विश्वविद्यालय से शोध परियोजना संबंधी सभी नियमों का पालन किया है।

स्थान : हिंदी विभाग, गुरु घासीदास विश्वविद्यालय, बिलासपुर

दिनांक : 30/08/24

Usmita Tirkey

प्रस्तुतकर्ता

उस्मिता तिर्की

स्नातकोत्तर हिन्दी चतुर्थ सेमेस्टर

नामांकन संख्या– GGV/22/00266

अनुक्रमांक– 22005125

गुरु घासीदास विश्वविद्यालय
(केन्द्रीय विश्वविद्यालय अधिनियम 2009 क्र. 25 के अंतर्गत स्थापित केन्द्रीय विश्वविद्यालय)
कोनी, बिलासपुर - 495009 (छ.ग.)

Guru Ghasidas Vishwavidyalaya
(A Central University Established by the Central Universities Act 2009 No. 25 of 2009)
Koni, Bilaspur – 495009 (C.G.)

# प्रमाण पत्र

यह प्रमाणित किया जाता है कि उष्मिता तिर्की ने मेरे मार्गदर्शन में "आदिवासी स्त्री संवेदना" विषय पर अपना परियोजना कार्य पूरा किया है। यह परियोजना-कार्य विद्यार्थी द्वारा प्रस्तुत घोषणा-पत्र के अनुसार उसके द्वारा संग्रहित तथ्यों पर आधारित तथा उसका मौलिक कार्य है, जिसमें विश्वविद्यालय के शोध-परियोजना संबंधी सभी नियमों का पालन किया गया है।

मैं इसे मूल्यांकन हेतु प्रेषित किए जाने की संस्तुति करती हूं।

स्थान : हिंदी विभाग, गुरु घासीदास विश्वविद्यालय, बिलासपुर

दिनांक : 30/04/24

मार्गदर्शक
डॉ. गौरी त्रिपाठी

विभागाध्यक्ष, हिंदी विभाग

## विषयअनुकरमणिका

घोषणा पत्र

प्रमाण पत्र

आभार

**प्रथम अध्याय : आदिवासी साहित्य का परिचय**

1.1 आदिवासी शब्द का अर्थ और उसकी परिभाषा

1.2 आदिवासी भाषाओं का परिचय

1.3 आदिवासी साहित्यकारों का संक्षिप्त परिचय

**द्वितीय अध्याय : निर्मला पुतुल का जीवन परिचय**

2.1 निर्मला पुतुल जी की रचनाएं

2.2 निर्मला पुतुल जी की शिक्षा दीक्षा

2.3 आन्तरिक एवं बाह्य व्यक्तित्व पर प्रकाश डालना

**तृतीय अध्याय : समकालीन आदिवासी महिला रचनाकार और निर्मला पुतुल**

3.1 समकालीन आदिवासी महिला साहित्यकारों का परिचय

3.2 समकालीन साहित्यकारों की कृति का संक्षिप्त परिचय

**चतुर्थ अध्याय : निर्मला पुतुल की कविता में अभिव्यक्त आदिवासी स्त्री संवेदना**

4.1 कविता में अभिव्यक्त सामाजिक ,राजनीतिक ,आर्थिक आदिवासी स्त्री की की संवेदना

उपसंहार

संदर्भ सूची

गुरु घासीदास विश्वविद्यालय
(केन्द्रीय विश्वविद्यालय अधिनियम 2009 क्र. 25 के अंतर्गत स्थापित केन्द्रीय विश्वविद्यालय)
कोनी, बिलासपुर - 495009 (छ.ग.)

Guru Ghasidas Vishwavidyalaya
(A Central University Established by the Central Universities Act 2009 No. 25 of 2009)
Koni, Bilaspur – 495009 (C.G.)

# काशी नाथ सिंह और काशी का अस्सी

स्नातकोत्तर हिन्दी (चतुर्थ सेमेस्टर) के चतुर्थ प्रश्न-पत्र की प्रतिपूर्ति हेतु प्रस्तुत

## लघु शोध-प्रबंध

सत्र : 2023-24

मार्गदर्शक
डॉ. राजेश मिश्र
सहायक प्राध्यापक, हिन्दी विभाग
गु. घा. वि. वि. बिलासपुर

विभागाध्यक्ष
डॉ. गौरी त्रिपाठी
सह-प्राध्यापक, हिन्दी विभाग
गु. घा. वि. वि. बिलासपुर

प्रस्तुतकर्ता
युवराज नायक
स्नातकोत्तर हिंदी चतुर्थ सेमेस्टर
ना. क्र.- GGV/22/00314

हिन्दी विभाग
कला अध्ययनशाला
गुरु घासीदास विश्वविद्यालय
(केन्द्रीय विश्वविद्यालय अधिनियम, 2009 कंडिका 25 के अंतर्गत स्थापित केन्द्रीय विश्वविद्यालय)
कोनी, बिलासपुर (छ.ग.)

# घोषणा पत्र

मैं, **युवराज नायक** यह घोषणा करता हूं कि **"काशीनाथ सिंह और काशी का अस्सी"** विषय पर प्रस्तुत यह लघु-शोध-प्रबंध मेरे द्वारा संग्रहित तथ्यों पर आधारित है तथा यह मेरा मौलिक कार्य है। इसे अंशतः या पूर्णतः इस विश्वविद्यालय या किसी अन्य विश्वविद्यालय/संस्थान में किसी उपाधि हेतु प्रस्तुत नहीं किया गया है। यह शोध-कार्य मैंने डॉ. राजेश मिश्र , सहायक प्राध्यापक, हिन्दी विभाग, गुरु घासीदास विश्वविद्यालय, बिलासपुर (छ.ग.) के मार्गदर्शन में पूरा किया है। मैं घोषणा करता हूँ कि प्रस्तुत लघु-शोध-प्रबंध को पूरा करने में मैंने विश्वविद्यालय के शोध-संबंधी सभी नियमों का पालन किया है।

स्थान: हिन्दी विभाग, बिलासपुर

दिनांक: 30/08/2024

Yuvraj Nayak

प्रस्तुतकर्ता

**युवराज नायक**

एम. ए. उत्तरार्द्ध, हिन्दी विभाग

गु. घा. वि. वि. बिलासपुर

नामांकन संख्या – GGV/22/00314

# प्रमाण पत्र

यह प्रमाणित किया जाता है कि **युवराज नायक** ने मेरे मार्गदर्शन में **"काशीनाथ सिंह और काशी का अस्सी"** विषय पर अपना लघु-शोध-प्रबंध पूरा किया है। वह लघु-शोध विद्यार्थी द्वारा प्रस्तुत घोषणा-पत्र के अनुसार उसके द्वारा संग्रहित तथ्यों पर आधारित तथा उनका मौलिक कार्य है। जिसमें विश्वविद्यालय के शोध-संबंधी सभी नियमों का पालन किया गया है।

मैं इसे मूल्यांकन हेतु प्रेषित किये जाने की संस्तुति करता हूँ।

स्थान : हिन्दी विभाग, बिलासपुर

दिनांक : 30/08/24

मार्गदर्शक

डॉ. राजेश मिश्र

सहायक प्राध्यापक, हिन्दी विभाग

गु. घा. वि. वि. बिलासपुर

# विषयानुक्रमणिका

| | पृष्ठ संख्या |
|---|---|
| घोषणा पत्र | i |
| प्रमाण पत्र | ii |
| आभार | iii |
| प्रस्तावना | iv-vi |
| 1. **प्रथम अध्याय :-** कशीनाथ सिंह :व्यक्तित्व एवं कृतित्व | 1-11 |
| 2. **द्वितीय अध्याय :-** काशी का अस्सी में चित्रित समाज और वातावरण | 12-25 |
| 3. **तृतीय अध्याय :-** कथा पात्रों के संवाद और भाषाई प्रयोग | 26-32 |
| 4. **चतुर्थ अध्याय :-** उपन्यास का रचना विधान | 33-36 |
| उपसंहार | 37-39 |
| सन्दर्भ सूची | 40 |

# अन्या से अनन्या में व्यक्त स्त्री चेतना

स्नातकोत्तर हिन्दी (चतुर्थ सेमेस्टर) के चतुर्थ प्रश्न-पत्र की प्रतिपूर्ति हेतु प्रस्तुत

## लघु शोध-प्रबंध

सत्र : 2023-24

| मार्गदर्शक | विभागाध्यक्ष | प्रस्तुतकर्ता |
|---|---|---|
| डॉ. गौरी त्रिपाठी | डॉ. गौरी त्रिपाठी | अरुणा पधान |
| सह - प्राध्यापक, हिन्दी विभाग | सह - प्राध्यापक, हिन्दी विभाग | स्नातकोत्तर हिंदी चतुर्थ सेमेस्टर |
| गु. घा. वि. वि. बिलासपुर | गु. घा. वि. वि. बिलासपुर | ना. क्र.- GGV/19/0157 |

हिन्दी विभाग
कला अध्ययनशाला
गुरु घासीदास विश्वविद्यालय
(केन्द्रीय विश्वविद्यालय अधिनियम, 2009 कंडिका 25 के अंतर्गत स्थापित केन्द्रीय विश्वविद्यालय)
कोनी, बिलासपुर (छ.ग.)

[अनुक्रमणिका]

| | |
|---|---|
| घोषणा–पत्र | 2 |
| प्रमाण–पत्र | 3 |
| आभार | 4 |
| भूमिका | 5 |
| प्रथम अध्याय:– आत्मकथा का अर्थ एवं स्वरूप | 8-11 |
| 1.1- आत्मकथा का अर्थ | |
| 1.2- आत्मकथा का परिभाषा | |
| द्वितीय अध्याय :–हिन्दी साहित्य में आत्मकथा | 14-24 |
| 2.1- विमर्श में आत्मकथा | |
| 2.2- स्त्री आत्मकथा | |
| तृतीय अध्याय:– अन्या से अनन्या में व्यक्त स्त्री चेतना | 27-37 |
| चतुर्थ अध्याय:- भाषिक संरचना | 39 |
| उपसंहार | 40 |

## घोषणा-पत्र

मैं, अरुणा पधान यह घोषणा करती हूं कि 'अन्या से अनन्या में व्यक्त स्त्री चेतना ' विषय पर प्रस्तुत यह लघु शोध-प्रबंध द्वारा संग्रहित तथ्यों पर आधारित है तथा यह मेरा मौलिक कार्य है। यह शोध-कार्य मैंने डॉ. गौरी त्रिपाठी, सह-प्राध्यापक, हिंदी विभाग, गुरु घासीदास विश्वविद्यालय, बिलासपुर, छत्तीसगढ़ के मार्गदर्शन में पूरा किया है।

मैं घोषणा करती हूं कि प्रस्तुत लघु शोध-प्रबंध को पूरा करने में मैंने विश्वविद्यालय के शोध संबधी सभी नियमों का पालन किया है।

स्थान : हिन्दी विभाग, गुरु घासीदास विश्वविद्यालय, बिलासपुर

दिनाँक : 30/08/2024

अरुणा पधान

प्रस्तुतकर्ता

अरुणा पधान

स्नातकोत्तर (हिंदी) चतुर्थ सेमेस्टर, हिंदी विभाग

गुरु घासीदास विश्वविद्यालय, बिलासपुर (छ. ग.)

नामांकन संख्या - GGV/19/0157

रोल नंबर - 22005101

# प्रमाण-पत्र

यह प्रमाणित किया जाता है कि अरुणा पधान ने मेरे मार्गदर्शन में 'अन्या से अनन्या में व्यक्त स्त्री चेतना' विषय पर अपना लघु शोध-प्रबंध पूरा किया गया है। यह लघु शोध विद्यार्थी द्वारा प्रस्तुत घोषणा-पत्र के अनुसार उसके द्वारा संग्रहित तथ्यों पर आधारित तथा उनका मौलिक कार्य है, जिसमें विश्वविद्यालय के शोध-संबधी सभी नियमों का पालन किया गया है।

मैं इसे मूल्यांकन हेतु प्रेषित किए जाने की संस्तुति करता हूं।

स्थान : हिन्दी विभाग, गुरु घासीदास विश्वविद्यालय, बिलासपुर

दिनांक : 30/08/2024

मार्गदर्शक

डॉ. गौरी त्रिपाठी

सह-प्राध्यापक, हिंदी

विभाग

गुरु घासीदास विश्वविद्यालय, बिलासपुर (छ. ग)

गुरु घासीदास विश्वविद्यालय
(केन्द्रीय विश्वविद्यालय अधिनियम 2009 क्र. 25 के अंतर्गत स्थापित केन्द्रीय विश्वविद्यालय)
कोनी, बिलासपुर - 495009 (छ.ग.)

Guru Ghasidas Vishwavidyalaya
(A Central University Established by the Central Universities Act 2009 No. 25 of 2009)
Koni, Bilaspur – 495009 (C.G.)

# धूमिल की कविताओं में राजनीतिक चेतना का स्वरूप

(संदर्भ : संसद से सड़क तक)

स्नातकोत्तर हिंदी (चतुर्थ सेमेस्टर) के चतुर्थ प्रश्न-पत्र की प्रतिपूर्ति हेतु प्रस्तुत

## लघु शोध-प्रबंध

सत्र : 2023-24

मार्गदर्शक
डॉ. अखिलेश गुप्ता
सहायक प्राध्यापक, हिंदी विभाग
गु.घा.वि.वि., बिलासपुर

विभागाध्यक्ष
डॉ. गौरी त्रिपाठी
सह-प्राध्यापक, हिंदी विभाग
गु.घा.वि.वि., बिलासपुर

प्रस्तुतकर्ता
अविनाश कुमार
एम. ए. उत्तरार्द्ध, हिंदी विभाग
ना. सं.- GGV/21/00108

हिंदी विभाग
कला विद्यापीठ
गुरु घासीदास विश्वविद्यालय
(केन्द्रीय विश्वविद्यालय अधिनियम, 2009 कंडिका 25 के अंतर्गत स्थापित केन्द्रीय विश्वविद्यालय)
कोनी, बिलासपुर (छ.ग.)

[ अनुक्रमणिका ]

| | |
|---|---|
| प्रमाण पत्र | i |
| घोषणा पत्र | ii |
| आभार | iii |
| भूमिका | iv |
| **अध्याय – 1 सुदामा प्रसाद पांडेय 'धूमिल' का जीवन परिचय** | **2-11** |
| 1.1 जीवन परिचय | |
| 1.2 रचना संसार | |
| **अध्याय – 2 साठोत्तरी हिंदी कविता में धूमिल-काव्य का योगदान** | **13-17** |
| 2.1 साठोत्तरी हिंदी कविता – अर्थ और परिभाषा | |
| 2.2 साठोत्तरी हिंदी कविता की पृष्ठभूमि | |
| 2.3 मोहभंग की कविता | |
| **अध्याय – 3 धूमिल की कविताओं में राजनीतिक चेतना का स्वरूप** | **19-27** |
| 3.1 धूमिल की कविताओं की विशेषताएं | |
| 3.2 राजनीतिक चेतना | |
| 3.3 भाषायी चेतना | |
| **अध्याय – 4 धूमिल के काव्य में निहित वर्ग चेतना** | **29-38** |
| 4.1 जनवादी चेतना : अर्थ एवं आशय | |
| 4.2 धूमिल की कविताओं में जनवादी चेतना | |
| 4.3 शिल्पगत विशेषताएं | |
| 4.4 भाषा शैली | |
| **अध्याय – 5 उपसंहार** | **40-42** |

गुरु घासीदास विश्वविद्यालय
(केन्द्रीय विश्वविद्यालय अधिनियम 2009 क्र. 25 के अंतर्गत स्थापित केन्द्रीय विश्वविद्यालय)
कोनी, बिलासपुर - 495009 (छ.ग.)

Guru Ghasidas Vishwavidyalaya
(A Central University Established by the Central Universities Act 2009 No. 25 of 2009)
Koni, Bilaspur – 495009 (C.G.)

# घोषणा-पत्र

मैं अविनाश कुमार यह घोषणा करती हूँ कि **"धूमिल की कविताओं में राजनीतिक चेतना का स्वरूप"** विषय पर प्रस्तुत यह लघु-शोध-प्रबंध मेरे द्वारा संग्रहित तथ्यों पर आधारित है तथा यह मेरा मौलिक कार्य है। इसे अंशतः या पूर्णतः इस विश्वविद्यालय या किसी अन्य विश्वविद्यालय/संस्थान में किसी उपाधि हेतु प्रस्तुत नहीं किया गया है। यह शोध-कार्य मैंने **डॉ. अखिलेश गुप्ता**, सहायक प्राध्यापक, हिंदी विभाग, गुरु घासीदास विश्वविद्यालय, बिलासपुर (छ.ग.) के मार्गदर्शन में पूरा किया है। मैं घोषणा करती हूँ कि प्रस्तुत लघु-शोध-प्रबंध को पूरा करने में मैंने विश्वविद्यालय के शोध-संबंधी सभी नियमों का पालन किया है।

स्थान : हिंदी विभाग, बिलासपुर (छ.ग.)
दिनांक : 30-08-2024

प्रस्तुतकर्ता

**अविनाश कुमार**

एम. ए. उत्तरार्द्ध, हिंदी विभाग
गु.घा.वि.वि., बिलासपुर
नामांकन संख्या- GGV/21/00108

गुरु घासीदास विश्वविद्यालय
(केन्द्रीय विश्वविद्यालय अधिनियम 2009 क्र. 25 के अंतर्गत स्थापित केन्द्रीय विश्वविद्यालय)
कोनी, बिलासपुर – 495009 (छ.ग.)

Guru Ghasidas Vishwavidyalaya
(A Central University Established by the Central Universities Act 2009 No. 25 of 2009)
Koni, Bilaspur – 495009 (C.G.)

# प्रमाण-पत्र

यह प्रमाणित किया जाता है कि **अविनाश कुमार** ने मेरे मार्गदर्शन में **"धूमिल की कविताओं में राजनीतिक चेतना का स्वरूप"** विषय पर अपना लघु शोध-प्रबंध पूरा किया है। यह लघु शोध विद्यार्थी द्वारा प्रस्तुत घोषणा-पत्र के अनुसार उसके द्वारा संग्रहित तथ्यों पर आधारित है और उनका यह मौलिक कार्य है। जिसमें विश्वविद्यालय के शोध-संबंधी सभी नियमों का पालन किया गया है।

मैं इसे मूल्यांकन हेतु प्रेषित किये जाने की संस्तुति करता हूँ।

स्थान : हिंदी विभाग, बिलासपुर (छ.ग.)

दिनांक : 30-08-2024

30-08-2024
मार्गदर्शक

**डॉ. अखिलेश गुप्ता**
हिंदी विभाग
गुरु घासीदास विश्वविद्यालय, बिलासपुर

गुरु घासीदास विश्वविद्यालय
(केन्द्रीय विश्वविद्यालय अधिनियम 2009 क्र. 25 के अंतर्गत स्थापित केन्द्रीय विश्वविद्यालय)
कोनी, बिलासपुर – 495009 (छ.ग.)

Guru Ghasidas Vishwavidyalaya
(A Central University Established by the Central Universities Act 2009 No. 25 of 2009)
Koni, Bilaspur – 495009 (C.G.)

# 'मोर्चे पर विदागीत' में सामाजिक-सांस्कृतिक प्रतिरोध

स्नातकोत्तर हिन्दी (चतुर्थ सेमेस्टर) के चतुर्थ प्रश्न-पत्र की प्रतिपूर्ति हेतु प्रस्तुत

## लघु शोध-प्रबंध

सत्र : 2023-24

मार्गदर्शक
**डॉ. अनीश कुमार**
सहायक प्राध्यापक, हिन्दी विभाग
गु.घा.वि.वि, बिलासपुर

विभागाध्यक्ष
**डॉ. गौरी त्रिपाठी**
सह–प्राध्यापक, हिन्दी विभाग
गु.घा.वि.वि, बिलासपुर

प्रस्तुतकर्ता
**बसंती**
स्नातकोत्तर हिन्दी चतुर्थ सेमेस्टर
ना. सं. GGV/22/00301

**हिन्दी विभाग**
**कला अध्ययनशाला**
**गुरु घासीदास विश्वविद्यालय**
(केन्द्रीय विश्वविद्यालय अधिनियम, 2009 कंडिका 25 के अंतर्गत स्थापित केन्द्रीय विश्वविद्यालय)
कोनी, बिलासपुर (छ.ग.)

# अनुक्रमणिका

| | |
|---|---|
| प्रमाण-पत्र | 2 |
| घोषणा-पत्र | 3 |
| आभार | 4 |
| भूमिका | 6-7 |
| **अध्याय एक : विहाग वैभव का व्यक्तित्व व कृतित्व** | 9-20 |
| 1:1 व्यक्तित्व | |
| 1:2 प्रमुख रचनाएं एवं रचनाधर्मिता | |
| 1:3 'मोर्चे पर विदागीत' का सामान्य परिचय | |
| **अध्याय दो : 'मोर्चे पर विदागीत' में चित्रित प्रतिरोधी चेतना** | 22-38 |
| 2:1 प्रतिरोधी चेतना के विविध पक्ष | |
| 2:2 दलित विमर्श | |
| 2:3 स्त्री विमर्श | |
| **अध्याय तीन : मोर्चे पर विदागीत में सामाजिक-सांस्कृतिक चेतना** | 39-43 |
| 3:1 हाशिये का समाज : सामाजिक संवेदना | |
| 3:2 हाशिये का समाज : सांस्कृतिक चेतना | |
| **उपसंहार** | 45-46 |
| **संदर्भ-सूची** | 48 |

# प्रमाण-पत्र

यह प्रमाणित किया जाता है कि **बसंती पटेल** ने मेरे मार्गदर्शन में **'मोर्चे पर विदागीत में सामाजिक-सांस्कृतिक प्रतिरोध'** विषय पर अपना लघु शोध-प्रबंध पूरा किया गया है। यह लघु शोध विद्यार्थी द्वारा प्रस्तुत घोषणा-पत्र के अनुसार उसके द्वारा संग्रहित तथ्यों पर आधारित तथा उनका मौलिक कार्य है, जिसमें विश्वविद्यालय के शोध-संबधी सभी नियमों का पालन किया गया है।

मैं इसे मूल्यांकन हेतु प्रेषित किए जाने की संस्तुति करता हूं।

स्थान : हिन्दी विभाग, गुरु घासीदास विश्वविद्यालय, बिलासपुर

दिनांक : 29/09/2024

मार्गदर्शक

**डॉ. अनीश कुमार**

सहायक प्राध्यापक, हिंदी विभाग

गुरु घासीदास विश्वविद्यालय, बिलासपुर (छ. ग)

# घोषणा-पत्र

मैं, **बसंती पटेल** यह घोषणा करती हूं कि **'मोर्चे पर विदागीत में सामाजिक-सांस्कृतिक प्रतिरोध'** विषय पर प्रस्तुत यह लघु शोध-प्रबंध द्वारा संग्रहित तथ्यों पर आधारित है तथा यह मेरा मौलिक कार्य है। इसे अंशत: या पूर्णत: इस विश्वविद्यालय या किसी उपाधि हेतु प्रस्तुत नहीं किया गया है। यह शोध-कार्य मैंने **डॉ. अनीश कुमार**, सहायक प्राध्यापक, हिंदी विभाग, गुरु घासीदास विश्वविद्यालय, बिलासपुर, छत्तीसगढ़ के मार्गदर्शन में पूरा किया है।

मैं घोषणा करती हूं कि प्रस्तुत लघु शोध-प्रबंध को पूरा करने में मैंने विश्वविद्यालय के शोध संबधी सभी नियमों का पालन किया है।

स्थान : हिन्दी विभाग, गुरु घासीदास विश्वविद्यालय, बिलासपुर
दिनाँक : 29/08/2024

बसंती पटेल
प्रस्तुतकर्ता

**बसंती पटेल**
स्नातकोत्तर (हिंदी) चतुर्थ सेमेस्टर, हिंदी विभाग
गुरु घासीदास विश्वविद्यालय, बिलासपुर (छ. ग.)
नामांकन संख्या - GGV/22/00301
रोल नंबर - 22005103